हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 98 ● भिलाई, मंगलवार 03 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, गोलीबारी में कुकी समुदाय के 3 लोगों की मौत

इंफाल। मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। सुबह नोनी जिले के पहाड़ी गांव केकरू नगा में दो विरोधी गुटों के बीच हुई भीषण गोलीबारी में कुकी समुदाय के तीन लोगों की मौत हो गई। दोनों पक्षों के बीच कई घंटों तक गोलीबारी होती रही। पुलिस ने भी घटना में तीन लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। कुकी आदिवासी संगठन कुकी इनपी मणिपुर (केआईएम) ने आरोप लगाया है कि तीनों कुकी युवकों की हत्या नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालिम-इसाक मुइवा (एनएससीएन-आईएम) और जेलियांग्रोंग यूनाइटेड फ्रंट (जेडयूएफ-के) के कामसन गुट के सशस्त्र सदस्यों ने की है। संगठन ने सरकार से घटना में शामिल लोगों के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई करने और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की है। केआईएम ने राज्य सरकार पर कुकी-जो समुदाय की आबादी वाले गांवों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने में विफल रहने का आरोप भी लगाया है। मणिपुर में जारी संकट के बीच शनिवार को इंफाल, सेनापति और चंदेल में आदिवासी समुदायों के लोगों ने विरोध रैलियां निकालीं।

दिल्ली-सिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को गुवाहाटी तक बढ़ाने की मंजूरी

गुवाहाटी। केंद्र ने प्रस्तावित दिल्ली-सिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को गुवाहाटी तक विस्तारित करने की मंजूरी दे दी है. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा. मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के लिए केंद्र की हरी झंडी का जश्न मनाते हुए सीएम सरमा ने एक्स पर विपक्ष पर राजनीतिक कटाक्ष किया. सरमा ने लिखा, इसीलिए, मोदी कहीं नहीं जाएंगे! (यही कारण है कि मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं!) यह टिप्पणी शायद हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी पर हुए विवाद का तीखा जवाब है. यह टिप्पणी एक कार्यक्रम के बाद आई थी, जिसमें एक व्यक्ति ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही पद नहीं छोड़ेंगे. सरमा ने पीएम मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताते हुए कहा, गुवाहाटी-दिल्ली 8 घंटे से कम में? हाँ!

हैदराबाद में बीजेपी की महा पदयात्रा-अमित शाह का राहुल गांधी पर हमला

रामलीला मैदान में वोट बचाओ नहीं,'घुसपैठिये बचाओ' रैली थी

हैदराबाद। एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2 नवंबर को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में बीजेपी की महा पदयात्रा निकाली। हाथ में तिरंगा लेकर निकले शाह के साथ हजारों बीजेपी कार्यकर्ता और समर्थक भी शामिल हुए। यह पदयात्रा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच जारी सियासी टकराव के बीच निकाली गई। इस दौरान अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस स्वुक्र प्रक्रिया का विरोध करके घुसपैठियों को बचाना चाहती है। शाह ने साफ कहा कि बीजेपी एक-एक घुसपैठिये का नाम मतदाता सूची से हटवाएगी और उन्हें देश से बाहर निकालने की कोशिश करेगी। पदयात्रा में शामिल होने से पहले अमित शाह ने हैदराबाद के प्रसिद्ध भाग्यलक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। इसके बाद उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए एसआईआर घुसपैठ और कांग्रेस की राजनीति को लेकर विपक्ष पर कई तीखे हमले किए। सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी चाहे जितनी कोशिश कर लें, बीजेपी यह सुनिश्चित करेगी कि एक-एक घुसपैठिये का नाम मतदाता सूची से हटाया जाए। शाह ने कहा, राहुल जी, आप चाहे जितनी कोशिश कर लें, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि एक-एक घुसपैठिये को मतदाता सूची से हटा दिया जाए। उन्होंने आगे



कहा कि ऐसे लोगों को देश से बाहर निकालने के लिए भी कार्रवाई की जाएगी। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एसआईआर का विरोध इसलिए कर रही है, क्योंकि इससे उसके कथित वोट बैंक पर असर पड़ सकता है। अमित शाह ने राहुल गांधी के उस दावे पर भी सवाल उठाए, जिसमें बीजेपी की चुनावी जीत को एसआईआर प्रक्रिया से जोड़ने की बात कही गई थी। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भी जीते थे, जबकि उस समय एसआईआर जैसी कोई प्रक्रिया नहीं चल रही थी। उन्होंने कहा, मोदी जी 2019 में भी जीते थे। तब कोई एसआईआर नहीं था। क्या मोदी जी जीते या नहीं? वे भारत के मतदाताओं की वजह से जीते। शाह ने महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार में बीजेपी की जीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में पार्टी को जनता का भारी समर्थन मिला है। अमित शाह ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई इंडिया गठबंधन की रैली पर भी निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष के 'वोट बचाओ' अभियान को लेकर तंज कसा। शाह ने कहा, कल दिल्ली में एक रैली भी हुई थी। यह राहुल गांधी की रैली थी, जिसे उन्होंने 'वोट बचाओ' रैली कहा।

आज रायपुर आएंगे अमित शाह : दोपहर 3 बजे पहुंचेंगे, रात सवा दस बजे चले जाएंगे दिल्ली

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 3 नवंबर 2026 को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे। उनके दौरे का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अमित शाह रायपुर में विभिन्न आयोजनों में शामिल होंगे। इस दौरान वे अस्पताल और विकसित भारत संकल्प पार्क का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही नया रायपुर स्थित राज्योत्सव मैदान में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के समापन समारोह में भी शिरकत करेंगे। जारी कार्यक्रम के मुताबिक, अमित शाह दोपहर 12:55 बजे दिल्ली स्थित 6 ए कृष्णा मेनन मार्ग से रवाना होंगे।

सीजेआई सूर्यकांत ने क्यों कही यह बात

न्याय के लिए दिल्ली आने की जरूरत नहीं होनी चाहिए.....

नई दिल्ली/ एजेंसी



भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने न्यायिक प्रक्रिया को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट में लंबित मामलों की जल्द सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख करने वाले याचिकाकर्ताओं की बढ़ती संख्या न्याय व्यवस्था में सुधार की गुंजाइश पर विचार करने का मौका देती है। सीजेआई ने सवाल उठाया कि क्या जरूरी मामलों की पहचान और सुनवाई की तारीख तय करने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया जा सकता है। रविवार को कोच्चि में केरल हाई कोर्ट की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोह में सीजेआई सूर्यकांत ने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को समय पर न्याय पाने के लिए दिल्ली तक आने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। भारत की संवैधानिक न्याय व्यवस्था सिर्फ नई दिल्ली तक सीमित नहीं है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हमेशा हाई कोर्ट की संस्थागत स्वतंत्रता और अपने मामलों की सुनवाई का क्रम तय करने के अधिकार का सम्मान किया है। इसके बावजूद हाई कोर्ट में लंबित मामलों की जल्द सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचने वाले याचिकाकर्ताओं की बढ़ती संख्या पर विचार करना जरूरी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या जरूरी मामलों की पहचान बेहतर तरीके से की जा सकती है? क्या सुनवाई की तारीख तय करने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बनाया जा सकता है?

राजस्थान के आईएएस-आईपीएस दंपति के पास 40 आलीशान विला

जयपुर। राजस्थान के वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी शिखर अग्रवाल और उनकी भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी पत्नी प्रशाखा माथुर के संपत्ति सौदों को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि अधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग कर एक निजी कंपनी को लाभ पहुंचाया और बाद में उसी कंपनी के दो रिसॉर्ट में अपने परिवार के नाम पर 40 विला और कॉटेज खरीद लिए। मामला सामने आने के बाद राजस्थान सरकार ने दंपती के खिलाफ जांच शुरू करा दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारी और उनके परिवार ने करीब ढाई साल के दौरान अनंता समूह के दो रिसॉर्ट में कुल 40 संपत्तियां 6.16 करोड़ रुपये में खरीदीं।

दर्ज क्यों नहीं कराई आपत्तियां

कांग्रेस ने केवल मगरमच्छ के आंसू बहाए-नितिन नबीन

नई दिल्ली/ एजेंसी



बिहार के भागलपुर में सोमवार को 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत आयोजित पदयात्रा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने जनता को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा। नितिन नबीन ने कहा कि लोकतंत्र खतरे में नहीं है, बल्कि विपक्ष की कुर्सी खतरे में है। विपक्षी दल अपनी राजनीतिक नाकामियों से सीखने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर देश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। भागलपुर के लाजपत पार्क में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। आज, जब भाजपा और एनडीए गठबंधन लोकतंत्र की रक्षा के लिए पूरे देश में पदयात्रा निकाल रहे हैं, वहीं विपक्ष कल दिल्ली के रामलीला मैदान में दिखा था और झूठ के बीज बोने में व्यस्त था। लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च का नेतृत्व करते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा, बिहार में ही एसआईआर (मतदाता सूची पुनरीक्षण) प्रक्रिया शुरू हुई थी, और कल विपक्ष के नेता राहुल गांधी ऐसे ही कई झूठ फैलाने में लगे हुए थे। नितिन नबीन ने प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि एसआईआर के लिए एक तय प्रक्रिया है।

पंजाब में आप को दोहरा झटका

2 दिन में 3 विधायकों ने दिया अपना इस्तीफा

नई दिल्ली। पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच आम आदमी पार्टी के भीतर असंतोष का बड़ा विस्फोट हुआ है। पार्टी नेतृत्व द्वारा 31 अक्तूबर को 40 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की गई थी, जिसके बाद से विधायकों और टिकट के दावेदारों में नाराजगी भड़क उठी। दो विधायकों द्वारा पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ने के बाद पूर्व आईपीएस अधिकारी और अमृतसर नॉर्थ से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह ने सीधे विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर पार्टी और सरकार दोनों को असहज स्थिति में डाल दिया



है। कुंवर विजय प्रताप सिंह ने अपना इस्तीफा पत्र 1 नवंबर 2026 को अमृतसर से सीधे पंजाब विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) को भेजा। खास बात यह रही कि उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया में न तो पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को शामिल किया और न ही किसी प्रदेश पदाधिकारी के जरिए अपना पत्र भिजवाया।

भारत की पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन तैयार हो रही, 280 किमी प्रति घंटे होगी अधिकतम परीक्षण गति

नई दिल्ली। भारत उच्च गति रेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है। देश की पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेल परियोजना के लिए बेंगलुरु स्थित बीईएमएल के कारखाने में तैयार की जा रही है। इस ट्रेन को भारतीय परिस्थितियों, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। रेल मंत्रालय के अनुसार, ट्रेन की अधिकतम परीक्षण गति 280 किलोमीटर प्रति घंटा और परिचालन गति 249 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। ट्रेन की कुल लंबाई लगभग 202 मीटर होगी और इसमें आठ डिब्बे लगाए

60 किमी रफ्तार से चलेंगी हवाएं

छत्तीसगढ़ की ओर तेजी से बढ़ रहा तूफान मुरासु, 3 और 4 नवंबर को होगी बारिश..

रायपुर। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान मुरासु का असर अब छत्तीसगढ़ तक पहुंचने की संभावना है। मौसम प्रणाली के प्रभाव से प्रदेश में 3 और 4 नवंबर को तेज हवाओं, गरज-चमक और बारिश का दौर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों में सतर्क रहने की सलाह दी है। तूफान के प्रभाव से पहले आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु में मौसम बिगड़ने की संभावना जताई गई है। 2 और 3 नवंबर को कोस्टल आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना में भारी से अतिभारी



बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज हवाओं और गरज-चमक की भी चेतावनी दी गई है। वहीं तमिलनाडु में भी जोरदार बारिश की संभावना है। मौसम प्रणाली आगे बढ़ने के साथ 3 और 4 नवंबर को छत्तीसगढ़ और दक्षिण ओडिशा में इसका प्रभाव दिखाई दे सकता है। छत्तीसगढ़ में कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश और आकाशीय बिजली की स्थिति बन सकती है। हवाओं की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने और झोंकों के दौरान 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। राजधानी रायपुर में भी मौसम का मिजाज बदलने लगा है। 2 नवंबर की शाम से बादल छाने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है, जबकि 3 और 4 नवंबर को बारिश की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। चक्रवात का सबसे बड़ा असर किसानों की चिंता बढ़ा सकता है।

11 हजार वोल्ट की लाइन से टकराई रोड़ी मिक्सर मशीन

करंट से 8 मजदूरों की मौत और पांच घायल

झुंझुनू। राजस्थान के झुंझुनू जिले के छापोली गांव में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में 8 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग झुलसकर घायल हो गए। गांव में जनसहयोग से सड़क निर्माण का काम चल रहा था। इसी दौरान कंक्रीट तैयार करने के लिए लगाई गई रोड़ी मिक्सर मशीन ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई। इससे पूरी मशीन में करंट फैल गया और उसके आसपास काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। हादसे में 5 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। झुंझुनू जिला कलेक्टर अरुण गर्ग से मिली जानकारी के अनुसार, उदयपुरवाटी क्षेत्र के छापोली गांव में स्थानीय ग्रामीण आपसी जनसहयोग से सड़क का निर्माण करवा रहे थे। यह काम कदम कुंड की ओर जाने वाले मार्ग पर चल रहा था। सड़क निर्माण के लिए कंक्रीट तैयार करने के उद्देश्य से मौके पर रोड़ी मिक्सर मशीन लगाई गई थी। इसी दौरान मशीन का ऊपरी हिस्सा असावधानीवश ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया। बिजली के तार से छूते ही धातु की पूरी मशीन में करंट फैल गया। इसकी चपेट में आसपास काम कर रहे मजदूर आ गए। अचानक हुए इस हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। करंट का झटका इतना तेज था कि 5 मजदूरों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद ग्रामीणों और



वहां मौजूद लोगों ने बिजली आपूर्ति बंद करवाने के प्रयास किए और घायलों को बचाने में जुट गए। झुलसे हुए मजदूरों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उपचार के दौरान 3 अन्य मजदूरों की भी मौत हो गई। इस तरह हादसे में मृतकों की कुल संख्या 8 पहुंच गई है। वहीं, 5 अन्य लोग करंट से झुलसकर घायल हुए हैं। सभी का उपचार जारी है। इस हादसे में हालेड़ा मंडावरा निवासी एक ही परिवार के चार लोगों की जान चली गई। मृतकों में हरिराम गुर्जर (30), मंगलचंद गुर्जर (22), कालूराम गुर्जर (29) और पवन गुर्जर (23) शामिल हैं। इसके अलावा छापोली निवासी विष्णु सैनी (38), सुरेंद्र उर्फ सुरेश सैनी (30), मुकेश सैनी (27) और फतेहचंद सैनी (32) की भी मौत हुई है। हादसे में छापोली निवासी महेंद्र सैनी, गीता देवी (45), संतरा देवी (35), गिदाराम सैनी (45) और मंजू देवी (38) घायल हुए हैं। झुंझुनू के इस भीषण हादसे पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गहरा दुख जताया है।

अमेरिका में बिजनेस जेट क्रैश

9 लोगों की मौत,आग का गोला बना विमान

नई दिल्ली। अमेरिका के दक्षिणी फ्लोरिडा में रविवार को एक बड़ा विमान हादसा पेश आया। ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बहामास के लिए उड़ान भरने वाला एक निजी बिजनेस जेट तकनीकी खराबी के चलते अनियंत्रित होकर जमीन पर आ गिरा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विमान में तुरंत भीषण आग लग गई और चारों तरफ घना काला धुआं फैल गया। इस भयावह दुर्घटना में विमान में सवार सभी नौ लोगों की मौके पर ही जान चली गई। अमेरिकी विमानन एजेंसियां अब हादसे के सटीक कारणों का पता लगाने में जुट गई हैं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान 'लियरजेट 60' था, जिसका टेल नंबर एन 722बीडी दर्ज है। ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रवक्ता जिम रेनॉल्ड्स ने इसे एक अत्यंत दुखद और बड़ी त्रासदी करार दिया।

अमेरिकी परिवहन सचिव शॉन डफी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि विमान में कुल 9 लोग सवार थे और इस दुर्घटना में किसी के भी जीवित बचने की संभावना नहीं रही। फिलहाल विमान में सवार यात्रियों और

स्वास्थ्य एवम परिवार कल्याण विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

केसीजी। आज दिनांक 31 अक्टूबर 2026, शनिवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. अनिल कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में स्वास्थ्य सेवाओं एवं विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक (CS) डॉ. आशीष शर्मा,विकासखंड खैरागढ़ के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक बिसेन, विकासखंड छुईखदान के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष बघेल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमति सोनल ध्रुव, डॉ. पंकज वैष्णव, डॉ. प्रीति वैष्णव, डॉ. ऋतुराज, डॉ. अनम फातिमा, डॉ. डी.एन. श्रीवास्तव, समस्त कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, जिला लेखा प्रबंधक श्री नवीन चौहान, जिला डाटा प्रबंधक श्री खिलेश साहू, जिला सलाहकार RMNCH+A सुश्री आरती चतुर्वेदी, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक खैरागढ़ श्री आकाश तांबोली, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक छुईखदान श्री बृजेश ताम्रकार, दोनों विकासखंडों के बीडीएम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारी, ग्रामीण चिकित्सा सहायक (RMA), स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी एवं जूनियर सचिवालय सहायक (JSA) उपस्थित रहे।

बैठक में प्रमुख स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा– बैठक में अप्रैल 2026 से अक्टूबर 2026 तक जिले में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर विशेष चर्चा की गई:

1. मातृ स्वास्थ्य सेवाएं:

एएनसी (ANC) पंजीयन, प्रथम तिमाही में गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, चतुर्थ तिमाही से संबंधित मातृ स्वास्थ्य सेवाओं तथा संस्थागत प्रसव की प्रगति की समीक्षा की गई। निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धियों का आकलन करते हुए संबंधित अधिकारियों को सेवाओं की गुणवत्ता एवं कवरेज में सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

2. टीकाकरण एवं रिपोर्टिंग:

नियमित टीकाकरण की लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धियों की समीक्षा की गई। जननी, HMIS एवं -WIN पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों एवं रिपोर्टिंग की स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। संबंधित अधिकारियों को आंकड़ों की शुद्धता सुनिश्चित करने तथा समय-सीमा में रिपोर्टिंग पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

3. मातृ एवं शिशु मृत्यु की समीक्षा:

जिले में दर्ज मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु के प्रकरणों की समीक्षा की गई। मृत्यु के कारणों का विश्लेषण करने, आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने तथा सामुदायिक एवं संस्थागत स्तर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया। साथ ही CDR एवं स्त्रक्की रिपोर्टिंग निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा– बैठक में विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति, उपलब्धियों एवं रिपोर्टिंग की विस्तृत समीक्षा की गई। इनमें प्रमुख रूप से निम्नलिखित कार्यक्रम शामिल रहे:

- NPNCD – गैर-संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण संबंधी कार्यक्रम।
- आयुष्मान भारत कार्ड – पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं कवरेज की समीक्षा।
- वय वंदना कार्ड - पात्र वरिष्ठ नागरिकों के कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा।
- RBSK – राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत पोर्टल पर पंजीयन, रिपोर्टिंग एवं सेवाओं की समीक्षा।
- PMNDP – प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम की समीक्षा।
- NLEP – राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम।
- NTEP – राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम।
- NPCBVI – राष्ट्रीय अंधत्व एवं दृष्टि दोष नियंत्रण कार्यक्रम।
- IDSP – एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम।
- NVBDCP – राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम।
- NOHP – राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम।
- NVHCP – राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम।

उपरोक्त कार्यक्रमों की प्रगति एवं रिपोर्टिंग की समीक्षा करते हुए संबंधित नोडल अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति, नियमित मॉनिटरिंग, समयबद्ध रिपोर्टिंग तथा कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों को दिए गए प्रमुख निर्देश– बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी करें तथा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करें।

साथ ही, पोर्टल पर लंबित प्रविष्टियों को समय पर पूर्ण करने, रिपोर्टिंग की गुणवत्ता में सुधार लाने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने, पात्र हितग्राहियों को शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ दिलाने तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में प्राप्त करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति का आकलन करना, कमियों की पहचान करना तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाकर आमजन को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी

जिला केसीजी में दिनांक 31 अक्टूबर 2026 को जिला – पंचायत केसीजी के सभाकक्ष में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। उक्त बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) साल्हेवारा के चिकित्सक एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रकाश वर्मा अनुपस्थित पाए गए। शासकीय समीक्षा बैठक में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने को गंभीरता से लेते हुए संबंधित प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही, बैठक में उपस्थित खंड चिकित्सा अधिकारी, छुईखदान को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, क्योंकि उनके अधीनस्थ संस्थान में पदस्थ प्रभारी चिकित्सा अधिकारी की अनुपस्थिति के संबंध में उनके द्वारा कोई पूर्व सूचना अथवा जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।.

अवैध महुआ शराब के खिलाफ मुहिम चलाना पड़ा भारी! महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष के पति-बेटे समेत 5 लोगों पर जानलेवा हमला

- कुशभाठा गांव में दो पक्षों के बीच विवाद ने लिया हिंसक रूप, प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों को रायपुर रिफर किया गया। पुलिस को पहले सूचना देने के बावजूद घटना होने का आरोप



बिलाईगढ़। बिलाईगढ़ विधानसभा के अंतर्गत सलिहा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुशभाठा में महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेमशीला नायक के परिवार पर हमले का मामला सामने आया है। हमले में उनके पति और वर्तमान सरपंच बेटे समेत कुल पांच लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद दो को रायपुर रिफर किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, गांव में लंबे समय से अवैध महुआ शराब की बिक्री को बंद कराने के लिए मुहिम चलाई जा रही थी। इसी बीच मोहल्ले में कुछ लोगों द्वारा शराब पीकर गाली-गलौज किए जाने की बात सामने आई। बताया जा रहा है कि वर्तमान सरपंच ने इसका विरोध करते हुए संबंधित लोगों को ऐसा करने से मना किया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया।

आरोप है कि इसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने सरपंच और उनके परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया। परिजनों का आरोप है कि विवाद की आशंका को देखते हुए बीती रात ही पुलिस को सूचना दी गई थी। इसके बावजूद दूसरे पक्ष के लोगों को छोड़ दिया गया। आरोप है कि इसके बाद शनिवार सुबह फिर विवाद हुआ और सरपंच परिवार के पांच लोगों पर हमला कर दिया गया। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया।

घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो को रायपुर रेफर किया गया। घटना को लेकर अब पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल मामले में पुलिस का आधिकारिक पक्ष, दर्ज रिपोर्ट और आरोपियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी सामने आना बाकी है।

आयुर्वेद एवं होम्योपैथी पद्धति से दी गई नि :शुल्क चिकित्सा सुविधा, 105 लोगों का रक्त परीक्षण

जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेले में 635 लोगों का हुआ उपचार

- महापौर जीवर्धन चौहान ने किया मेले का शुभारंभ, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील



रायगढ़। आम नागरिकों को सुलभ एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार को कौहाकुंडा पहाड़ मंदिर के पास प्राथमिक शाला परिसर में जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। नगर निगम के महापौर जीवर्धन चौहान ने भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना कर स्वास्थ्य मेला का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सभापति डिग्रीलाल साहू, स्थानीय पार्षद सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर जीवर्धन चौहान ने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धति हमारी प्राचीन और समृद्ध चिकित्सा परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आयुर्वेद, योग एवं होम्योपैथी के माध्यम से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सकता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खानपान, नियमित दिनचर्या और योग को अपनाना बेहद जरूरी है। ऐसे स्वास्थ्य मेले आम नागरिकों को एक ही स्थान पर नि:शुल्क जांच, परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी करते हैं। उन्होंने लोगों से आयुष चिकित्सा पद्धतियों का लाभ लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. मीरा भगत के मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले में कुल 635 मरीजों का नि:शुल्क उपचार कर औषधियों का वितरण किया गया। इनमें आयुर्वेद पद्धति से 560 तथा होम्योपैथी पद्धति से 75 मरीजों का उपचार किया गया।

जिला चिकित्सालय बेमेतरा में हर्निया, पाइल्स एवं अन्य नि :शुल्क ऑपरेशन की सुविधा से मरीजों को मिल रहा लाभ



बेमेतरा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगई एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े के निर्देश पर एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. लोकेश साहू के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय बेमेतरा में आवश्यकता अनुसार विभिन्न ऑपरेशन की सुविधा नि:शुल्क प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 31 अक्टूबर 2026 को जिला चिकित्सालय के ओ.टी. में 2 ऑपरेशन किए गए – 1. हर्निया 2. हेमरॉइडेक्टॉमी / पाइल्स उक्त दोनों ऑपरेशन सर्जन डॉ. रेणु कुर्रे द्वारा किए गए एवं ऑपरेशन में निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. आदित्य सर द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। दोनों ऑपरेशन पूर्णत: नि:शुल्क एवं सफल रहे। सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू ने बताया कि पूर्व में सामान्य ऑपरेशन के लिए बेमेतरा जिला वासियों को अन्य जिले जाना पड़ता था, अब सर्जन एवं निश्चेतना विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय बेमेतरा में उपलब्ध हैं। जरूरतमंद नागरिक नियमानुसार पूर्णत: नि:शुल्क सुविधा का लाभ ले सकते हैं। जिला चिकित्सालय बेमेतरा में किसी प्रकार की असुविधा होने पर सीधे संपर्क कर सकते हैं।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर विद्यार्थियों ने लगाई एकता की दौड़, देश की एकता और अखंडता बनाए रखने की ली शपथ

- बिहार पुर महाविद्यालय में उत्साह पूर्वक मनाई गई लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती



सूरजपुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर रन फॉर यूनिटी एकता के लिए दौड़ एवं सामूहिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन कर विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूक किया गया। महाविद्यालय के अतिरिक्त प्रभारी प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान सभी ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा राष्ट्रहित के प्रति समर्पित रहने की सामूहिक शपथ ली। वरिष्ठ प्राध्यापक धीरेंद्र कुमार जायसवाल ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस दौरान जायसवाल ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, उनके आदर्शों और राष्ट्र निर्माण में दिए गए ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात सरदार पटेल ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व से लगभग 560 से अधिक रियासतों के भारतीय संघ में एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देश की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाने में उनके योगदान के कारण उन्हें लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है।उन्होंने विद्यार्थियों से सरदार पटेल के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। अन्य प्राध्यापकों ने भी सरदार पटेल के जीवन और उनके प्रेरणादायी कार्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को देशहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर ने नैमेड़ हैचरी एवं कन्या शिक्षा परिसर का किया भ्रमण

- संस्थागत व्यवस्थाओं का लिया जायजा, छात्राओं से संवाद कर शिक्षा, आवास एवं मूलभूत सुविधाओं की जानी स्थिति



बीजापुर। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, नई दिल्ली के विशेष मॉनिटर आर. हेमंत कुमार ने अपने बीजापुर प्रवास के दौरान जिले में संचालित विभिन्न संस्थानों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं एवं गतिविधियों का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने नैमेड स्थित हैचरी का निरीक्षण किया तथा कन्या शिक्षा परिसर पहुंचकर छात्राओं से सीधे संवाद किया। भ्रमण का प्रमुख उद्देश्य संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं, कार्यप्रणाली तथा जनजातीय समुदाय से जुड़े हितों एवं अधिकारों की जमीनी स्थिति का अवलोकन करना रहा। विशेष मॉनिटर हेमंत कुमार ने सर्वप्रथम नैमेड स्थित हैचरी का भ्रमण किया। यहां उन्होंने हैचरी में संचालित गतिविधियों, उत्पादन प्रक्रिया, उपलब्ध संसाधनों एवं कार्य संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा कर हैचरी की कार्यप्रणाली तथा उसके संचालन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात उन्होंने कन्या शिक्षा परिसर का निरीक्षण किया। यहां छात्राओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी शैक्षणिक गतिविधियों, पढ़ाई-लिखाई की स्थिति, शिक्षकों द्वारा अध्यापन तथा विद्यालय के वातावरण के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने छात्राओं से उनकी दैनिक दिनचर्या, अध्ययन के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं शैक्षणिक आवश्यकताओं को लेकर भी चर्चा की। छात्राओं से संवाद के दौरान विशेष मॉनिटर ने आवासीय परिसर की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाओं, छात्रावास की व्यवस्था एवं सुरक्षा संबंधी पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही छात्राओं से यह भी जाना कि उन्हें संस्थान में शिक्षा प्राप्त करने के दौरान किस प्रकार की सुविधाएं मिल रही हैं।

राज्योत्सव 2026 में जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता स्टॉल का प्रदर्शन

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। राज्योत्सव 2026 के अवसर पर जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के स्वास्थ्य विभाग द्वारा आम नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने एवं शासन की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आकर्षक एवं जन-जागरूकता आधारित स्वास्थ्य स्टॉल लगाया गया।

इस वर्ष राज्योत्सव की थीम सशक्त नारी एवं युवा उड़ान को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा महिला स्वास्थ्य, युवा स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, तंबाकू एवं नशा मुक्ति तथा स्वस्थ जीवनशैली जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रदर्शित किया गया।

स्टॉल के प्रमुख आकर्षण एवं गतिविधियां निम्नानुसार रहीं—

1. तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0

– तंबाकू एवं नशे के दुष्प्रभावों के प्रति युवाओं को जागरूक किया गया।

– स्वस्थ फेफड़े एवं धूम्रपान से क्षतिग्रस्त फेफड़ों का थ्री-डी मॉडल प्रदर्शित किया गया।

– मॉडल के माध्यम से तंबाकू सेवन से फेफड़ों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को दर्शाया गया।

– धूम्रपान छोड़ें, जिंदगी चुनें, तंबाकू नहीं संदेश के माध्यम से तंबाकू मुक्त समाज का आह्वान किया गया।

2. टीबी मुक्त भारत अभियान

– टीबी के लक्षण, बचाव, जांच एवं नि:शुल्क उपचार की जानकारी दी गई।

– हैंडहेल्ड एक्स-रे, निक्षय मित्र एवं टीबी मुक्त ग्राम पंचायत पहल का प्रदर्शन किया गया।

– टीबी के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करने तथा समय पर जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया।

3. मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता

– मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन के महत्व को प्रदर्शित किया गया।

– अवसाद, चिंता, अनिद्रा एवं मोबाइल के अत्यधिक उपयोग के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई।



– मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में समय पर परामर्श एवं उपचार लेने के लिए प्रेरित किया गया।

4. सशक्त नारी – स्वस्थ महिला, सशक्त परिवार

– महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य, पोषण एवं एनीमिया की रोकथाम के संबंध में जानकारी दी गई।

– गर्भवती महिलाओं की नियमित प्रसव पूर्व जांच, संस्थागत प्रसव एवं सुरक्षित मातृत्व का महत्व बताया गया।

– महिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी सेवाओं की जानकारी दी गई।

5. युवा उड़ान – स्वस्थ युवा, स्वस्थ समाज

– युवाओं को नशामुक्ति, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

– गैर-संचारी रोगों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोगों से बचाव की जानकारी दी गई।

6. स्वास्थ्य योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी

– आयुष्मान भारत एवं स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

– आम नागरिकों को उपलब्ध नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, उपचार एवं स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूक किया गया।

इस स्वास्थ्य जागरूकता स्टॉल के माध्यम से आम नागरिकों, युवाओं एवं महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नशे से दूर रहने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने का संदेश दिया गया।

जिला स्वास्थ्य विभाग, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई का संदेश:

स्वस्थ नारी ङ्क सशक्त परिवार, स्वस्थ युवा ङ्क सशक्त छत्तीसगढ़। तंबाकू मुक्त समाज एवं स्वस्थ जीवनशैली की ओर एक कदम।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर में चोरी की चार वारदातें, लैपटॉप से चांदी के जेवर और कॉपर पाइप तक पार

रायपुर। राजधानी में चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। खम्हारडीह, मौदहापारा और राजेंद्र नगर थाना क्षेत्रों में चोरों ने अलग-अलग वारदातों को अंजाम देकर लैपटॉप, चांदी के जेवर, कॉपर पाइप और दोपहिया वाहन पार कर दिए। वहीं राजेंद्र नगर पुलिस ने अवैध चाकू लेकर लोगों को डराने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। खम्हारडीह थाना क्षेत्र के भवानी नगर स्थित एक हॉस्टल में अज्ञात चोर ने कमरे में घुसकर लैपटॉप चोरी कर लिया। लैपटॉप की कीमत 10 हजार रुपये बताई गई है। मामले में नमन कुमार देवांगन की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। इसी तरह मौदहापारा थाना क्षेत्र में मेकाहारा कैंसर सिटीरी वार्ड-60 के सामने से नीलम निषाद के बैग में रखे दो चांदी के चैन, चांदी की पायल और तीन अंगूठियां चोरी हो गईं। चोरी गए जेवरों की कीमत करीब 14 हजार रुपये बताई गई है। एक अन्य घटना में एमजी रोड स्थित अरहम रेजिडेंसी, जवाहर नगर के पास अज्ञात चोर ने दुकान का ताला तोड़कर अंदर रखे करीब 100 किलो कॉपर पाइप चोरी कर लिए। चोरी गए पाइप की कीमत लगभग 80 हजार रुपये बताई गई है। मामले में सौरभ सुराना ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में चंद्रा स्प्रिंग्स के सामने सरग रोड, महावीर नगर से आयुष गांगड़े की होंडा एक्टिवा मोपेड क्रमांक सीजी 04 एलडी 9837 चोरी हो गई।

ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को लेकर रायपुर रेल मंडल में संरक्षा संगोष्ठी, 64 कर्मचारियों ने लिया प्रशिक्षण

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को लेकर कर्मचारी ट्रेनिंग स्कूल, परिचालन, बी.एम.वाई. में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें परिचालन, विद्युत परिचालन, इंजीनियरिंग और यांत्रिक विभाग के कुल 64 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। संगोष्ठी में शंटिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सेक्शन में रिलीफइंजन और ट्रेन के परिचालन की प्रक्रिया तथा चालक एवं परिचालक द्वारा यात्रा के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा सिग्नल पास्ड एट डेंजर से बचाव, स्टेशनों के बीच ट्रेनों की सुरक्षा, लॉन्ग हॉल ट्रेन में पार्टिंग, नकल ब्रोकन और ब्रेक बाईंडिंग के कारणों एवं उनके निवारण की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ट्रैक मेंटेनेंस के दौरान सर्दियों में बरती जाने वाली सावधानियों, पेट्रोलिंग, हालिया रेल दुर्घटनाओं के विश्लेषण और आग से बचाव के उपायों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान अग्निशामक यंत्र के उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया।

संजू त्रिपाठी हत्याकांड में बड़ा फैसला, जिला न्यायालय ने 22 आरोपियों को किया दोषमुक्त

रायपुर। बहुचर्चित संजू त्रिपाठी हत्याकांड में बिलासपुर जिला न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने मामले में सुनवाई और सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सभी 22 आरोपियों को दोषमुक्त करार दिया है। यह जानकारी कपिल त्रिपाठी पक्ष के अधिवक्ता आदित्य तिवारी ने दी। गौरतलब है कि 14 दिसंबर 2022 को सकरी बाइपास पर कुदुदंड निवासी संजू त्रिपाठी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। संजू त्रिपाठी हिस्ट्रीशीटर होने के साथ कांग्रेस नेता भी थे। इस वारदात के पीछे पुलिस ने पारिवारिक विवाद और जमीन संबंधी रंजिश को हत्या की साजिश की वजह बताया था। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान संजू त्रिपाठी के भाई कपिल त्रिपाठी को मुख्य आरोपी मानते हुए कार्रवाई की थी। इसके बाद कपिल त्रिपाठी के पिता जयनारायण त्रिपाठी, पत्नी सुचित्रा त्रिपाठी, मुंहबोली बहन कल्याणी, जीजा भरत तिवारी सहित अन्य रिश्तेदारों और सहयोगियों को भी आरोपी बनाया गया था। इस मामले में उत्तर प्रदेश के कुछ आरोपियों समेत कुल 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। अब जिला न्यायालय के फैसले के बाद सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया गया है।

आरंग में 11.69 करोड़ रुपये से होगा 15.50 किलोमीटर सड़क का नवीनीकरण और मजबूतीकरण

रायपुर। आरंग विधानसभा क्षेत्र में सड़क सुविधाओं के विस्तार के लिए लोक निर्माण विभाग ने धमनी-कोटनी पलौद से नवागांव तक 15.50 किलोमीटर सड़क के नवीनीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 11 करोड़ 69 लाख 9 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। यह कार्य वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल है। कैबिनेट मंत्री एवं आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब के प्रयासों से मिली इस स्वीकृति के बाद क्षेत्र में सड़क का नवीनीकरण और डामरीकरण किया जाएगा। इससे धमनी, कोटनी पलौद, नवागांव सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। साथ ही क्षेत्र की संपर्क व्यवस्था भी मजबूत होगी।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने किया तीन दिवसीय राज्योत्सव का भव्य शुभारंभ

विकसित छत्तीसगढ़ से साकार होगा विकसित भारत का संकल्प:मांडविया

- नक्सलवाद की चुनौती से निकलकर शांति, विश्वास और विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा बस्तर मुख्यमंत्री साय

रायपुर/ संवाददाता



केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प ही विकसित भारत के निर्माण को नई गति प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे साकार करने में छत्तीसगढ़ जैसे समृद्ध संसाधनों, गौरवशाली संस्कृति और अपार संभावनाओं वाले राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं, अधोसंरचना विकास, औद्योगिक निवेश और रोजगार के अवसरों के विस्तार से विकास की नई संभावनाएं साकार हो रही हैं। केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया आज छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव 2026 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के पीछे स्थानीय जनता की आकांक्षाओं को नई पहचान देने और विकास की संभावनाओं को साकार करने की भावना थी। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर प्रदेश के विकास की मजबूत नींव रखी थी। आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश उसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए विकास के नए पथ पर अग्रसर है। डॉ. मांडविया ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, समृद्ध लोकपरंपराएं, प्राकृतिक संपदा और यहां के लोगों की कर्मठता प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत हैं। एक समय बस्तर की चर्चा मुख्य रूप से नक्सलवाद के कारण होती थी, लेकिन आज वहां खेल, पर्यटन, संस्कृति और विकास की नई संभावनाएं सामने आ रही हैं। बस्तर की प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं। औद्योगिक निवेश के क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ महत्वपूर्ण गंतव्य के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि विकास की इस यात्रा में अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को सहेजते हुए आगे बढ़ना आवश्यक है। जब देश के सभी राज्य अपनी विशिष्ट क्षमताओं और संसाधनों के आधार पर विकसित होंगे, तभी विकसित भारत का संकल्प पूर्ण होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विकास की यात्रा को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ की जनता से राज्य निर्माण का वादा किया था। प्रदेशवासियों ने उनके नेतृत्व पर विश्वास जताया और उन्होंने अपना वादा पूरा करते हुए 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ को अलग राज्य का स्वरूप प्रदान किया।

शेयर ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का झांसा देकर डॉक्टर से 34 लाख की ठगी.....

रायपुर/ संवाददाता

शेयर बाजार में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर एक डॉक्टर से 34 लाख रुपये से अधिक की साइबर ठगी करने वाले गिरोह का रायगढ़ पुलिस ने पर्दाफाश किया है। मामले की जांच के सिलसिले में पुलिस ने मध्यप्रदेश के इंदौर में कार्रवाई करते हुए तीन युवतियों और दो युवकों सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में आरोपियों के तार दो अलग-अलग साइबर अपराधों से जुड़े मिले हैं। पुलिस के अनुसार, रायगढ़ निवासी डॉ. दिलीप कुमार मिश्रा ने 27 मई को साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि मार्च 2025 में मोबाइल फोन के जरिए सुनील नाम के व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया था। आरोपी ने स्मार्टन ट्रेड कंपनी में निवेश करने पर भारी मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाया। इसके बाद व्हाट्सएप पर कंपनी का पोर्टफोलियो भेजकर निवेश के लिए प्रेरित किया गया। शुरुआत में पोर्टफोलियो पर लगातार बढ़ता हुआ मुनाफा दिखाई देता रहा, जिससे डॉक्टर को निवेश पर अच्छे रिटर्न की उम्मीद बनी रही। लेकिन जब उन्होंने अपनी रकम निकालने की कोशिश की तो पैसे नहीं मिले। उल्टा उनसे और निवेश करने का दबाव बनाया जाने लगा। इसके बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ और उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस की जांच में एक दूसरा साइबर अपराध भी सामने आया। सूरज शर्मा ने 27 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके पंजाब नेशनल बैंक खाते से 12 दिसंबर 2025 से 7 जनवरी 2026 के बीच 18 बार में 2 लाख 97 हजार 298 रुपये का लेनदेन हुआ। अलग-अलग राज्यों में इस खाते से जुड़े साइबर अपराध की शिकायतें मिलने के बाद बैंक खाता फ्रीज कर दिया गया था। जांच में सामने आया कि खाते का इस्तेमाल कथित तौर पर साइबर ठगी की रकम के लेनदेन के लिए किया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, इंदौर की गायत्री विश्वकर्मा के माध्यम से सूरज शर्मा को नकद और यूपीआई के जरिए कमीशन मिलने के तथ्य भी सामने आए।

डंगनिया में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार...

रायपुर। संवाददाता

राजधानी के डीडी नगर थाना क्षेत्र के डंगनिया में सूने मकान को निशाना बनाकर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 1.50 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण, 6 घड़ियां और वारदात में इस्तेमाल की गई पल्सर मोटरसाइकिल जब्त की गई है। गिरफ्तार आरोपियों में दो पहले भी आपराधिक मामलों में जेल जा चुके हैं। पुलिस के मुताबिक, डंगनिया निवासी स्वरोचिष मिश्रा ने डीडी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 22 अक्टूबर की रात वह घर में ताला लगाकर बाहर गए थे। अगले दिन सुबह लौटने पर घर के दरवाजों के ताले टूटे मिले। अंदर कमरों का सामान बिखरा हुआ था और अलमारी के दरवाजे व लॉकर भी टूटे हुए थे। लॉकर में रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी गायब थे। शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 676/26 के तहत बीएनएस की धारा 331(4) और 305(ए) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) रॉबिन्सन गुरिया ने आरोपियों की जल्द पहचान कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और डीडी नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। पूर्व में चोरी और नकबजनी के मामलों में संलिप्त रहे आरोपियों तथा हाल ही में जेल से रिहा हुए संदिग्धों की गतिविधियों पर भी नजर रखी गई। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि टिकरापारा के मोतीनगर निवासी यशवंत उर्फलक्की दास मानिकपुरी को कुछ लोगों के साथ घटना स्थल के आसपास संदिग्ध हालत में देखा गया था।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 : जनसम्पर्क विभाग की फोटो प्रदर्शनी में नव निर्माण के 26 वर्ष एवं विकास पथ पर अग्रसर छत्तीसगढ़ की मोहक झांकी की गई प्रस्तुत



कांग्रेस की हार पर विधायक का तंज

पुरंदर मिश्रा बोले- बैलेट पेपर से कांग्रेस का साफ हुआ सूपड़ा

- दिल्ली में कांग्रेस की महारैली और कवर्धा में कुपोषण के मुद्दे पर भी भाजपा विधायक ने दी प्रतिक्रिया

रायपुर/ संवाददाता



चार राज्यों में हुए एमएलसी चुनावों में कांग्रेस को मिली हार को लेकर छत्तीसगढ़ में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी स्वार्थ की राजनीति करती है। उन्होंने दावा किया कि ईवीएम के बाद बैलेट पेपर से हुए चुनाव में भी कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने सवाल उठाया कि अब बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग करने वाली कांग्रेस क्या हाथ उठाकर चुनाव कराने की बात करेगी? मीडिया से चर्चा के दौरान पुरंदर मिश्रा ने कांग्रेस की चुनावी हार पर तंज कसते हुए कहा कि पार्टी को ईवीएम से होने वाले चुनाव पसंद नहीं हैं, लेकिन बैलेट पेपर से हुए चुनाव में भी उसे सफलता नहीं मिली। उन्होंने कांग्रेस की राजनीति और चुनावी मांगों पर सवाल खड़े किए। दिल्ली में प्रस्तावित कांग्रेस की महारैली में छत्तीसगढ़ से हजारों कार्यकर्ताओं के शामिल होने के सवाल पर भाजपा विधायक ने कहा कि कांग्रेस राज्योत्सव से डरकर रैली में जा रही है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बिजली बिल हुआ शून्य, सौर ऊर्जा से मिल रही बचत

रायपुर। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से जिले के नागरिक सौर ऊर्जा को अपनाकर बिजली खर्च में बचत कर रहे हैं। इसी कड़ी में नगर पालिका सुकमा के सम्राट नगर निवासी उदय नारायण वर्मा ने योजना का लाभ लेते हुए अपने घर पर 03 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। उदय वर्मा ने बताया कि सोलर पैनल लगवाने से पहले उनके घर में प्रतिदिन लगभग 10 से 11 यूनिट बिजली की खपत होती थी। बिजली की खपत को देखते हुए उन्होंने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर पैनल लगवाने का निर्णय लिया। घर में 03 किलोवाट का सोलर पैनल स्थापित होने के बाद अब उनका बिजली बिल शून्य हो गया है। उन्होंने बताया कि सामान्य दिनों में सोलर पैनल से प्रतिदिन अधिकतम 16 से 17 यूनिट तक बिजली का उत्पादन हो रहा है। हालांकि बारिश के दिनों में धूप कम मिलने के कारण बिजली उत्पादन में कमी आती है, फिर भी योजना से उन्हें काफी लाभ मिल रहा है। उदय वर्मा ने बताया कि योजना की सबसे अच्छी बात यह है कि यदि किसी महीने बिजली की खपत से अधिक उत्पादन होता है।

सीएम हेल्पलाइन 1076 से शिकायतों का समाधान....

- सीएम हेल्पलाइन 1076 से शिकायतों का त्वरित समाधान, अब तक 85.85 प्रतिशत मामलों का निराकरण

रायपुर/ संवाददाता

आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी निराकरण के लिए शुरू की गई छत्तीसगढ़ सरकार की सीएम हेल्पलाइन 1076 जनता और प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी बन रही है। इस डिजिटल पहल के माध्यम से नागरिक घर बैठे सरकारी सेवाओं से जुड़ी शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। अब तक हेल्पलाइन पर दर्ज 2 लाख 45 हजार 376 शिकायतों में से 2 लाख 10 हजार 649 का निराकरण किया जा चुका है। इस तरह कुल शिकायतों में से 85.85 प्रतिशत मामलों का समाधान किया गया है, जबकि शेष 34 हजार 727 शिकायतों पर कार्रवाई जारी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हेल्पलाइन और प्रशासनिक कामकाज की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शिकायतों का उद्देश्य केवल पोर्टल पर उन्हें बंद करना नहीं, बल्कि आम नागरिकों को वास्तविक और संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता को अपनी समस्याओं के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करते हुए लापरवाही के मामलों में सुधार और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को जानने उमड़ रही लोगों की भीड़

राज्योत्सव में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग का स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

- पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों और पर्यटन मंडल के रिसॉर्ट्स की जानकारी लेने पर्यटकों में दिख रहा जबरदस्त उत्साह

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर नवा रायपुर में आयोजित भव्य राज्योत्सव में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा लगाया गया स्टॉल लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। राज्योत्सव के पहले ही दिन विभागीय स्टॉल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ रही है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिक, युवा, विद्यार्थी और पर्यटक छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरों, धार्मिक पर्यटन केंद्रों तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा संचालित रिसॉर्ट्स और पर्यटक आवास सुविधाओं के संबंध में उत्साहपूर्वक जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। राज्योत्सव में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग का स्टॉल छत्तीसगढ़ की समृद्ध प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि को प्रदर्शित कर रहा है। यहां पहुंचने वाले लोग प्रदेश के प्रसिद्ध जलप्रपातों, घने वनों, वन्यजीव अभयारण्यों, प्राचीन मंदिरों, पुरातात्विक स्थलों और धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्रों के बारे में जानकारी ले रहे हैं। विशेष रूप से बस्तर, सरगुजा और प्रदेश के अन्य पर्यटन क्षेत्रों के प्रति लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। विभागीय स्टॉल पर आने वाले पर्यटक बस्तर के विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी



राष्ट्रीय उद्यान, ऐतिहासिक सिरपुर, भोरमदेव मंदिर, मैनपाट, बारनवापारा अभयारण्य, डोंगरगढ़ और अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। पर्यटकों में इन स्थलों तक पहुंचने के मार्ग, आवागमन की सुविधाओं, ठहरने की व्यवस्था और भ्रमण के उपयुक्त समय के बारे में जानने की विशेष उत्सुकता दिखाई दे रही है। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता और विविधता लोगों को आकर्षित कर रही है। राज्योत्सव में आने वाले अनेक परिवार प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा की योजना बनाने के उद्देश्य से विभागीय स्टॉल पर पहुंच रहे हैं। राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा संचालित रिसॉर्ट्स और पर्यटक आवास सुविधाओं के संबंध में भी लोगों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। पर्यटक विभिन्न पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध ठहरने की सुविधाओं, रिसॉर्ट्स की विशेषताओं, आवास व्यवस्था, किराए और आरक्षण प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। विशेष रूप से चित्रकोट सहित प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटन मंडल द्वारा उपलब्ध कराई जा रही आवासीय सुविधाओं के प्रति लोगों की रुचि दिखाई दे रही है। पर्यटन मंडल के रिसॉर्ट्स के संबंध में जानकारी प्राप्त करने वाले लोग परिवार के साथ छुट्टियां बिताने और प्राकृतिक वातावरण में पर्यटन का आनंद लेने की संभावनाएं तलाश रहे हैं।

संपादकीय

लूला की जीत, ट्रंप को झटका

दक्षिण अमेरिका के सबसे बड़े देश ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा की राष्ट्रपति चुनाव में शानदार जीत ने देश में दक्षिणपंथी ताकतों और राष्ट्रपति ट्रंप को भी तगड़ा झटका दिया। इसे विश्व में वामपंथी विचारधारा की फिर से वापसी के रूप में देखा जा रहा है। इस जीत के साथ वर्कर्स पार्टी के 80 वर्षीय लीडर लूला को चौथी बार राष्ट्रपति बनने का मौक़ा मिला है। उन्होंने चुनाव में कट्टर दक्षिणपंथी प्रतिद्वंद्वी और लिबरल पार्टी के नेता फ्लावियो बोल्सोनारो को मामूली अंतर से हराया। चुनाव के दूसरे दौर में लूला को 51.76 फीसदी वोट मिले, जबकि जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो को 48.24 फीसदी वोट मिले। अहम बात यह है कि लूला की जीत कई चुनावी सर्वे के अनुमानों के उलट रही। इन सर्वे में बोल्सोनारो को मामूली बढ़त दी गई थी। माना जा रहा था कि कभी ट्रंप के बहुत करीबी रहे बोल्सानारों के बेटे 45 वर्षीय सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो जीत सकते हैं, क्योंकि उन्होंने मतदान के पहले दौर में लगभग दो प्रतिशत अंकों की बढ़त हासिल की थी। हालांकि हार के बाद पूर्व राष्ट्रपति जाएर बोल्सोनारो के बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो ने नतीजों को मानने से मना कर दिया है। लेकिन इससे हकीकत में कोई फर्क नहीं पड़ता। नतीजों पर अपनी प्रतिक्रिया में फ्लावियो बोल्सोनारो ने परिणामों को 'असंभव' बताते हुए 'समझ से परे' बताया है। उन्होंने लूला की जीत को स्वीकार करने से इनकार किया और चुनाव नतीजे रद्द करने की मांग की। गौरतलब है कि फ्लक'वियो के पिता जाएर बोल्सोनारो ने भी 2022 में चुनाव में अपनी हार स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। उल्लेखनीय है कि वामपंथी नेता लूला इससे पहले 2003 से 2010 तक राष्ट्रपति रह चुके हैं। लूला की जीत को लेकर अंतिम समय तक संशय इसलिए भी बना रहा क्योंकि मतदान के दौरान सुप्रीम कोर्ट के एक जज ने मतदान केंद्रों के बंद होने का निर्धारित समय क़रीब आने पर मतदान की अवधि दो घंटे बढ़ाने का आदेश दिया था। यह आदेश लूला के गठबंधन की उन शिकायतों के बाद आया, जिनमें कई राज्यों में सार्वजनिक परिवहन से जुड़ी समस्याओं का ज़िक्र किया गया था। ब्राज़ील के कई नागरिक मतदान केंद्रों तक पहुँचने के लिए सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर हैं। यहां उल्लेखनीय है कि पूर्व मेटल वर्कर लूला 1989 में पहली बार राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने के बाद से ब्राज़ील में वामपंथ के सबसे प्रमुख नेता रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें अब अपने राजनीतिक जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका नया कार्यकाल पाँच जनवरी 2027 से शुरू होगा। अब लूला के सामने देश की आंतरिक और बाहरी कई चुनौतियां होंगी। इनमें राष्ट्रपति ट्रंप की नाराजगी भी शामिल है। क्योंकि लूला ने ट्रंप की आक्रामक विदेश नीति का हमेशा विरोध किया। हालांकि ट्रंप ने लूला के प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो का सीधे तौर पर समर्थन नहीं किया था। फिर भी लूला से नाराजी के चलते अमेरिका ने ब्राजील पर कई व्यापार शुल्क और अन्य प्रतिबंध लगाए हैं।

इस्लामिक नाटो की चुनौती : भारत के लिए कितना नुकसान, कितनी संभावना?

दूसरा अवसर कूटनीति का है। भारत के सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अन्य खाड़ी देशों के साथ ऊर्जा, व्यापार, निवेश तथा भारतीय प्रवासियों से जुड़े गहरे संबंध हैं। इन देशों के साथ भारत की साझेदारी केवल धार्मिक या राजनीतिक समीकरणों पर आधारित नहीं, बल्कि पारस्परिक आर्थिक हितों पर टिकी है। इसलिए भारत के लिए जरूरी होगा कि वह पाकिस्तान के साथ उनके संबंधों को अपने द्विपक्षीय रिश्तों पर हावी न होने दे। तीसरा लाभ भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करने में छिपा है। भारत अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान और पश्चिम एशिया के देशों के साथ अपने हितों के अनुसार संबंध रखता है।

सौरभ वार्ष्णेय

दुनिया की बदलती भू राजनीतिक परिस्थितियों में नए सामरिक गठबंधनों का उभरना किसी एक देश की सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव क्षेत्रीय स्थिरता, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीतिक संबंधों पर भी पड़ता है। हाल ही में सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच रक्षा सहयोग तथा मुस्लिम देशों के बीच सामरिक समन्वय को लेकर हुई गतिविधियों ने भारत की विदेश नीति के सामने नए सवाल खड़े किए हैं। इन देशों के बीच उभरते रक्षा सहयोग को कुछ विश्लेषक इस्लामिक नाटो' की संज्ञा दे रहे हैं। हालांकि, इसे नाटो जैसा औपचारिक, एकीकृत सैन्य गठबंधन मानना अभी जल्दबाजी होगी। भारत के लिए असली प्रश्न यह है कि इस बदलते समीकरण से उसकी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है?

नाटो एक औपचारिक सैन्य गठबंधन है, जिसकी सदस्यता, संस्थागत व्यवस्था और सामूहिक रक्षा संबंधी स्पष्ट प्रतिबद्धताएं हैं। इसके विपरीत, मुस्लिम बहुल देशों के बीच रक्षा समझौतों और सहयोग की पहल को उसी स्तर का गठबंधन मानने से पहले उसकी शर्तों, सैन्य प्रतिबद्धताओं और वास्तविक कार्यप्रणाली को समझना आवश्यक है। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के हित कई मुद्दों पर समान हो सकते हैं, लेकिन उनकी प्राथमिकताएं हर विषय पर एक जैसी नहीं हैं।

सऊदी अरब की प्राथमिकता अपनी क्षेत्रीय सुरक्षा, ऊर्जा प्रतिष्ठानों और आर्थिक विकास की रक्षा करना है। पाकिस्तान अपनी सैन्य और कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करना चाहता है, जबकि तुर्किये क्षेत्रीय राजनीति में अपनी भूमिका बढ़ाने का इच्छुक है। इन देशों का आपसी सहयोग भविष्य में कितना व्यापक होगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वे साझा हितों को ठोस सुरक्षा व्यवस्था में कितना बदल पाते हैं।

भारत के लिए पहली चिंता पाकिस्तान की भूमिका है। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध लंबे समय से आतंकवाद, सीमा पार घुसपैठ और सुरक्षा संबंधी विवादों से प्रभावित रहे हैं। यदि किसी नए रक्षा सहयोग के माध्यम से पाकिस्तान को अतिरिक्त सैन्य संसाधन, तकनीकी सहायता, खुफिया सहयोग या कूटनीतिक समर्थन मिलता है, तो इससे भारत की सुरक्षा संबंधी चुनौतियां बढ़ सकती हैं। हालांकि, केवल रक्षा समझौते के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि सहयोगी देश पाकिस्तान के प्रत्येक कदम का समर्थन करेंगे।

दूसरी चिंता कश्मीर और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के विरुद्ध संभावित कूटनीतिक लामबंदी की है। यदि कुछ देश पाकिस्तान



के पक्ष में साझा रुख अपनाते हैं, तो भारत को अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए अधिक कूटनीतिक प्रयास करने पड़ सकते हैं। लेकिन मुस्लिम देशों को एक ही राजनीतिक दृष्टिकोण वाला समूह मानना भी गलत होगा। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के भारत के साथ व्यापार, निवेश और ऊर्जा संबंध हैं, जिनका महत्व उनके पाकिस्तान के साथ संबंधों से अलग है। तीसरा पहलू रक्षा और सामरिक संतुलन का है। यदि भविष्य में इन देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास, उन्नत हथियारों की आपूर्ति या खुफिया सूचनाओं का व्यापक आदान-प्रदान बढ़ता है, तो भारत को पश्चिमी एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी रणनीति की समीक्षा करनी पड़ सकती है। भारत को अपनी समुद्री निगरानी, रक्षा उत्पादन, साइबर सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी क्षमताओं को लगातार मजबूत करना होगा। चौथी चिंता ऊर्जा सुरक्षा की है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया के देशों से महत्वपूर्ण मात्रा में तेल और गैस प्राप्त करता है। यदि क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा बढ़कर संघर्ष में बदलती है, तो तेल की कीमतों, समुद्री परिवहन और बीमा लागत पर दबाव पड़ सकता है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम उपभोक्ता की जेब पर पड़ सकता है।

इस बदलते समीकरण का दूसरा पक्ष भी है। सबसे पहला लाभ यह हो सकता है कि भारत अपनी रक्षा तैयारियों और रणनीतिक आत्मनिर्भरता को और गति दे। किसी भी संभावित चुनौती के मद्देनजर स्वदेशी हथियार निर्माण, आधुनिक निगरानी प्रणालियों, मिसाइल रक्षा और समुद्री सुरक्षा में निवेश बढ़ाना दीर्घकालीन राष्ट्रीय हित में होगा। इससे भारत केवल किसी एक गठबंधन की प्रतिक्रिया में नहीं, बल्कि अपनी व्यापक सुरक्षा जरूरतों के अनुरूप मजबूत बन सकेगा।

दूसरा अवसर कूटनीति का है। भारत के सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अन्य खाड़ी देशों के साथ ऊर्जा, व्यापार, निवेश तथा भारतीय प्रवासियों से जुड़े गहरे संबंध हैं। इन देशों के साथ भारत की साझेदारी केवल धार्मिक या राजनीतिक समीकरणों पर आधारित नहीं, बल्कि पारस्परिक आर्थिक हितों पर टिकी है। इसलिए भारत के लिए जरूरी होगा कि वह पाकिस्तान के साथ उनके संबंधों को अपने द्विपक्षीय रिश्तों पर हावी न होने दे।तीसरा लाभ भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करने में छिपा है।

भारत अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान और पश्चिम एशिया के देशों के साथ अपने हितों के अनुसार संबंध रखता है। किसी नए क्षेत्रीय गठबंधन के उभरने पर भारत अपनी बहुपक्षीय कूटनीति को और प्रभावी बना सकता है। साथ ही, आतंकवाद विरोधी सहयोग, समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के मुद्दों पर साझेदार देशों के साथ संवाद बढ़ा सकता है।

चौथा अवसर यह है कि भारत को पश्चिम एशिया में अपनी भूमिका स्पष्ट करने का मौका मिल सकता है। यदि भारत आर्थिक सहयोग, निवेश, तकनीक, ऊर्जा साझेदारी और क्षेत्रीय शांति के क्षेत्र में भरोसेमंद भागीदार बना रहता है, तो किसी भी नए सामरिक समीकरण के बावजूद उसकी उपयोगिता बनी रह सकती है। भारत को इस संभावित गठबंधन को लेकर न तो अनावश्यक भय पैदा करना चाहिए और न ही इसके प्रभाव को कम करके आंकना चाहिए। विदेश नीति का संचालन भावनाओं और धार्मिक पहचान के आधार पर नहीं, बल्कि तथ्यों, राष्ट्रीय हितों और दीर्घकालीन रणनीति के आधार पर होना चाहिए।

भारत को पाकिस्तान से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियों पर सतर्क रहना चाहिए, लेकिन सऊदी अरब, तुर्किये और अन्य मुस्लिम बहुल देशों के साथ अपने संबंधों का मूल्यांकन प्रत्येक देश के वास्तविक व्यवहार के आधार पर करना चाहिए।भारत को खाड़ी देशों के साथ रक्षा संवाद, ऊर्जा आपूर्ति की विविधता, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को मजबूत करना होगा। साथ ही, किसी भी उभरते सैन्य गठबंधन की वास्तविक गतिविधियों, समझौतों और क्षेत्रीय प्रभाव का निरंतर आकलन आवश्यक है।

सोशल मीडिया की चमक और वास्तविक स्वीकार्यता

अमरपाल सिंह वर्मा

विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर 21 लाख फॉलोअर्स वाले एक व्यक्ति की डिजिटल लोकप्रियता का अंदाजा सहज ही लग जाता है लेकिन इस लोकप्रियता के बाद कोई व्यक्ति अगर अपने ही गांव में सरपंच का चुनाव लड़े और उसे महज 33 वोट मिलें तो इसे क्या कहेंगे? यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर लाखों लोगों तक पहुंच रखने वाला व्यक्ति अपने गांव के मतदाताओं का भरोसा क्यों नहीं जीत पाया?

राजस्थान में जोधपुर जिले की ओसियां तहसील की इंदों की ढाणी ग्राम पंचायत में ओमप्रकाश ज्योतिषि की चुनावी हार सिर्फ एक उम्मीदवार की पराजय नहीं है। मेरी नजर में, यह उन लोगों के लिए भी एक सबक है जो सोशल मीडिया पर लोकप्रियता को जनता के समर्थन का प्रमाण मान बैठते हैं। आभासी दुनिया में किसी को पसंद करने वाले लाखों लोग हो सकते हैं लेकिन वास्तविक दुनिया में उसकी बात पर भरोसा करने वाले कितने हैं, इसका फैसला आखिरकार जनता ही करती है। सोशल मीडिया पर किसी को पसंद करना और उसे अपना प्रतिनिधि चुनना दोनों अलग बातें हैं। कोई व्यक्ति अच्छे वीडियो बनाता है, मनोरंजन करता है या किसी सामाजिक मुद्दे पर अपनी बात रखता है तो लोग उसे पसंद कर सकते हैं लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि वे उसे अपने गांव की सरकार चलाने की जिम्मेदारी भी सौंपना चाहते हैं। पंचायत का चुनाव देखने में छोटा जरूर लगता है लेकिन इसकी राजनीति को समझना आसान नहीं है। यहां एक-एक वोट के लिए उम्मीदवारों को कितनी मशक्कत करनी पड़ती है, यह गांव की राजनीति से परिचित लोग अच्छी तरह जानते हैं। कहीं रिश्तेदारी काम आती है, कहीं सामाजिक समीकरण और कहीं वर्षों का व्यक्तिगत संपर्क। उम्मीदवार को मतदाताओं के बीच जाना पड़ता है, उनकी समस्याएं सुननी पड़ती हैं और भरोसा पैदा करना पड़ता है। पिछले एक दशक में सोशल मीडिया चुनाव प्रचार का बड़ा माध्यम बना है, लेकिन इंदों की ढाणी का नतीजा बताता है कि डिजिटल पहुंच अपने आप चुनावी समर्थन में नहीं बदल जाती।

किसी व्यक्ति के वीडियो को राजस्थान से बाहर बैठे हजारों लोग देख सकते हैं लेकिन वे इंदों की ढाणी के मतदाता नहीं हैं। और जो लोग उसके वीडियो देखते हैं, उनमें से भी कितने लोग उसकी राजनीतिक सोच से सहमत हैं, यह अलग सवाल है। यही वास्तविक और आभासी दुनिया का फर्क है। आभासी दुनिया में लोकप्रियता हासिल करने के लिए कुछ अच्छे वीडियो, आकर्षक प्रस्तुति और लोगों की रुचि को समझना काफी हद तक मददगार हो सकता है। वास्तविक दुनिया में, खासकर राजनीति में, लोगों का भरोसा जीतने के लिए इससे कहीं ज्यादा करना पड़ता है।

ओमप्रकाश ने शिक्षा, गोसेवा और गांव की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने का वादा किया था लेकिन चुनाव में केवल मुद्दे गिनाना पर्याप्त नहीं होता। मतदाता यह भी देखता है कि उम्मीदवार का उसके जीवन और स्थानीय समस्याओं से कितना जुड़ाव है। पिछले कुछ सालों में राजनीतिक दलों ने सोशल मीडिया को चुनावी रणनीति का बड़ा हथियार बना लिया है। आईटी सेल, ऑनलाइन प्रचार, वायरल वीडियो और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों के जरिए मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश लगातार बढ़ी है। इसमें कुछ गलत भी नहीं है। आखिरकार, संचार के हर नए माध्यम का इस्तेमाल राजनीति में होगा ही लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब सोशल मीडिया पर बन रहे माहौल को ही जनता का वास्तविक समर्थन मान लिया जाता है।

किसी नेता के पक्ष में हजारों ऑनलाइन टिप्पणियां देखकर यह निष्कर्ष निकाल लेना कि चुनाव में भी उसे उतना ही समर्थन मिलेगा, बड़ी भूल हो सकती है। डिजिटल प्रचार लोगों का ध्यान खींच सकता है लेकिन स्थानीय मुद्दों पर काम और जनता के बीच उपस्थिति का विकल्प नहीं है। चुनाव केवल प्रचार से नहीं जीते जाते। जनता के बीच मौजूदगी, उसके सवालों पर काम और मुश्किल समय में उसके साथ खड़े रहने का महत्व आज भी बना हुआ है। कोई नेता सोशल मीडिया पर कितना ही सक्रिय क्यों न हो, अगर आम लोगों को लगता है कि वह उनकी समस्याओं से दूर है, तो डिजिटल लोकप्रियता उसके बहुत काम नहीं आएगी।

इस पूरे मामले में एक अच्छी बात यह है कि ओमप्रकाश ज्योतिषि ने अपनी पराजय के बाद सोशल मीडिया की लोकप्रियता और जमीनी हकीकत के बीच बड़े अंतर को स्वीकार किया। अपनी हार से सबक लेना और वास्तविकता को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा है कि वह अगले पांच साल तक गांव में रह कर लोगों की समस्याएं समझेंगे और पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए काम करेंगे। यह कहना गलत होगा कि सोशल मीडिया की राजनीति में कोई भूमिका नहीं है। उसकी भूमिका है और आने वाले समय में शायद और बढ़ेगी लेकिन वह जनता से सीधे जुड़ने का विकल्प नहीं बन सकता। लोकतंत्र में मतदाता किसी की सोशल मीडिया प्रोफाइल देखकर ही अपना फैसला नहीं करता। वह अपने अनुभव, जरूरतों और उम्मीदों के आधार पर वोट देता है। इंदों की ढाणी के मतदाताओं ने भी अपना फैसला सुना दिया है। लाखों फॉलोअर्स किसी व्यक्ति को चर्चित तो बना सकते हैं लेकिन जनता का प्रतिनिधि बनने के लिए जनता के बीच अपनी जगह बनानी पड़ती है। चुनावी नैया सोशल मीडिया के सहारे पार करने की योजना बनाने वाले राजनीतिक दलों और नेताओं के लिए भी यही सबसे बड़ा सबक है।

पर्यावरण : येल सेंटर के शोध में भारत की 176वीं रैंकिंग का सच और सवाल

वायु प्रदूषण इसका सबसे प्रत्यक्ष उदाहरण है। नदियों में अनुपचारित अपशिष्ट, भूजल का अत्यधिक दोहन और प्राकृतिक जलस्रोतों का क्षरण जल सुरक्षा को चुनौती देते हैं। जंगलों का विखंडन और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों पर बढ़ता दबाव जैव विविधता के लिए खतरा है। ये अलग-अलग समस्याएं नहीं, बल्कि विकास, शहरी नियोजन, ऊर्जा उत्पादन और संसाधनों के प्रबंधन से जुड़ी परस्पर संबंधित चुनौतियां हैं। फिर भी, भारत की रैंकिंग की व्याख्या करते समय दो सावधानियां जरूरी हैं। पहली, 22.46 अंक का अर्थ यह नहीं कि भारत का पर्यावरण केवल 22.46 प्रतिशत अच्छा है।

विवेक रंजन श्रीवास्तव

जिस देश में नदियों को माता, वृक्षों को देवता और पृथ्वी को जीवनदायिनी मानने की परंपरा रही है, उसी भारत का 177 देशों के पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक 2026 में 176वें स्थान पर होना चिंता और आत्ममंथन का विषय है।

येल और कोलंबिया विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं द्वारा तैयार इस सूचकांक में भारत को 100 में से केवल 22.46 अंक मिले हैं। पहले स्थान पर एस्टोनिया 74.79 अंकों के साथ है। दक्षिण एशिया के आठ देशों में भारत अंतिम स्थान पर है।

ये आंकड़े हमारी विकास संबंधी प्राथमिकताओं और पर्यावरण संरक्षण के वास्तविक परिणामों पर गंभीर प्रश्न हैं। लेकिन किसी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि उसके निष्कर्ष कितने विश्वसनीय हैं और उनकी सीमाएं क्या हैं।

येल का सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल लॉ एंड पॉलिसी तथा कोलंबिया विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ताओं का पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक एक प्रतिष्ठित शोध आधारित तुलनात्मक अध्ययन है। इसकी विश्वसनीयता का प्रमुख आधार इसकी घोषित कार्यपद्धति, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और शोध स्रोतों से प्राप्त आंकड़े, संकेतकों का विवरण तथा मूल आंकड़ों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराना होता है।

वर्ष 2026 का सूचकांक 47 संकेतकों और 12 श्रेणियों को पर्यावरणीय स्वास्थ्य, पारिस्थितिकी तंत्र की जीवनक्षमता और जलवायु परिवर्तन संबंधी तीन व्यापक उद्देश्यों को लेकर है। इसकी पद्धति में ओईसीडी की समग्र सूचकांक निर्माण संबंधी मार्गदर्शिका को आधार बनाया गया है। शोधकर्ता आंकड़ों, मानकों और भार निर्धारण के अपने निर्णयों की समीक्षा के लिए वे स्वतंत्र शोधकर्ताओं को भी आमंत्रित करते हैं।

इसलिए इस रिपोर्ट को महज विदेशी संस्थानों की पूर्वाग्रही राय कहकर खारिज करना शुतुरमुर्ग का रेत में मुँह छिपाना होगा। हालांकि, इसकी रैंकिंग को पर्यावरण की संपूर्ण और निर्विवाद तस्वीर मान लेना भी वैज्ञानिक दृष्टि नहीं है।

यह एक समग्र सूचकांक है, जिसमें अलग-अलग पर्यावरणीय संकेतकों को निर्धारित मानकों और भार के आधार पर एक अंक में बदला जाता है। संकेतकों का चयन, उनके भार और बेहतर अथवा खराब प्रदर्शन के मानक तय करने में शोध संबंधी अनेक निर्णय शामिल होते हैं।

स्वयं यह शोधकर्ता स्वीकार करते हैं कि समग्र सूचकांक बनाने की पद्धति के कई संभावित विकल्प हो सकते हैं और उनके निर्धारित भार ही एकमात्र सही व्यवस्था नहीं हैं। अतः इस रिपोर्ट की विश्वसनीयता उसकी पारदर्शी पद्धति में है, जबकि उसकी सीमाएं समग्र अंक और रैंकिंग की व्याख्या में सामने आती हैं।

भारत के आंकड़ों को देखें तो पर्यावरणीय स्वास्थ्य में उसका स्थान 174वां, वायु गुणवत्ता में 175वां और जैव विविधता एवं प्राकृतिक आवास में 174वां है। पारिस्थितिकी तंत्र की जीवनक्षमता में भारत 171वें स्थान पर है। जलवायु परिवर्तन शमन में 130वीं रैंकिंग अपेक्षाकृत बेहतर है, लेकिन इसे संतोषजनक उपलब्धि नहीं कहा जा सकता। इन आंकड़ों का सबसे गंभीर संदेश यह है कि आर्थिक विकास की गति के साथ पर्यावरणीय स्वास्थ्य और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में हम अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए हैं।

वायु प्रदूषण इसका सबसे प्रत्यक्ष उदाहरण है। नदियों में अनुपचारित अपशिष्ट, भूजल का अत्यधिक दोहन और प्राकृतिक जलस्रोतों का क्षरण जल सुरक्षा को चुनौती देते हैं। जंगलों का विखंडन और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों पर बढ़ता दबाव जैव विविधता के लिए खतरा है। ये अलग-अलग समस्याएं नहीं, बल्कि विकास, शहरी नियोजन, ऊर्जा उत्पादन और संसाधनों के प्रबंधन से जुड़ी परस्पर संबंधित चुनौतियां हैं।

फिर भी, भारत की रैंकिंग की व्याख्या करते समय दो सावधानियां जरूरी हैं। पहली, 22.46 अंक का अर्थ यह नहीं कि भारत का पर्यावरण केवल 22.46 प्रतिशत अच्छा है। यह निर्धारित पद्धति से प्राप्त तुलनात्मक स्कोर है। दूसरी, पिछली रैंकिंग से सीधी तुलना करके सुधार या गिरावट का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं, क्योंकि सूचकांक के अलग-अलग संस्करणों में संकेतकों, आंकड़ों और भार निर्धारण की पद्धति में बदलाव किए गए हैं। स्वयं ईपीआई शोधकर्ता पुराने और नए संस्करणों के समग्र अंकों की सीधी तुलना से बचने की सलाह देते हैं। वास्तविक प्रगति जानने के लिए संबंधित पर्यावरणीय संकेतकों के तुलनीय आंकड़ों का समयानुसार अध्ययन अधिक उपयोगी है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत का प्रदर्शन सभी संकेतकों में समान रूप से खराब नहीं है। कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में उसके परिणाम बेहतर हैं। इसलिए पूरी रिपोर्ट को राष्ट्रीय विफलता का प्रमाणपत्र मानने के बजाय उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए जहां सुधार की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही, भारत की विशाल आबादी, विकास संबंधी आवश्यकताओं और विकसित देशों की ऐतिहासिक उत्सर्जन जिम्मेदारियों को भी जलवायु नीति के व्यापक संदर्भ में समझना चाहिए। लेकिन ये परिस्थितियां अपने नागरिकों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित पानी उपलब्ध कराने की घरेलू जिम्मेदारी से मुक्ति नहीं देतीं।

समाधान के लिए पर्यावरणीय नीतियों को घोषणाओं से आगे ले जाना होगा। सार्वजनिक परिवहन का विस्तार, औद्योगिक प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण, सीवेज का सुरक्षित उपचार, प्राकृतिक वनों का संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा और पर्यावरणीय आंकड़ों की सार्वजनिक निगरानी प्राथमिकताएं बननी चाहिए। योजनाओं की सफलता पौधारोपण की संख्या या खर्च की गई राशि से नहीं, बल्कि जीवित बचे वृक्षों, स्वच्छ हुए जलस्रोतों, सुधरी वायु गुणवत्ता और सुरक्षित प्राकृतिक आवासों से मापी जानी चाहिए।

मेरे विचार में येल और कोलंबिया के शोधकर्ताओं की यह रिपोर्ट भारत के लिए अंतिम फैसला नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। इसकी पद्धति की सीमाओं को समझते हुए भी इसके निष्कर्षों से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। रिपोर्ट पर सवाल उठाना हमारा अधिकार है, लेकिन सवालों के नाम पर वास्तविक प्रदूषण और पर्यावरणीय क्षरण की अनदेखी करना आत्मघाती होगा। भारत की सांस्कृतिक परंपरा प्रकृति के सम्मान का संदेश देती है। अब उस संदेश को व्यवहार में बदलने का समय है। नदी को माता कहने का अर्थ उसके जल को प्रदूषित होने से बचाना है और वृक्ष को पूजने का अर्थ उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाना है। विकास तभी सार्थक है जब वह मनुष्य के जीवन को बेहतर बनाने के साथ प्रकृति को भी सुरक्षित रखे।

किसी देश की प्रगति केवल उसकी अर्थव्यवस्था की ऊंचाई से नहीं, बल्कि उसकी हवा की शुद्धता, नदियों की निर्मलता और आने वाली पीढ़ियों के लिए बची हुई प्राकृतिक संपदा से भी मापी जानी चाहिए। पर्यावरण की कीमत पर हासिल विकास अंततः विकास नहीं, भविष्य से लिया गया कर्ज है।

नये धान खरीदी केंद्र के लिए भटगांव तहसीलदार की टीम ने देवसागर से हटवाया बेजा कब्जा

देवसागर क्षेत्र के 9 गांवों के किसानों को मिलेगी सुविधा





भटगांव। खरीफ विपणन वर्ष में किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए राज्य शासन द्वारा नये धान खरीदी केंद्र खोले जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर भटगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत देवसागर में नये धान खरीदी केंद्र की शुरुआत हो रही है। इस केंद्र के शुरू होने से क्षेत्र के 9 गांवों के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन खरीदी केंद्र के लिए चयनित शासकीय भूमि पर ग्रामीणों द्वारा बेजा कब्जा कर लिया गया था। जिसे हटाने के लिए भटगांव तहसीलदार की टीम ने मौके पर पहुंचकर लगभग 5 एकड़ भूमि को बेजा कब्जा मुक्त कराया और धान खरीदी केंद्र के लिए जगह को सुरक्षित किया।

किसानों को हो रही थी परेशानी

देवसागर क्षेत्र के किसानों को अब तक धान बेचने के लिए दूर के खरीदी केंद्रों में जाना पड़ता था। इससे उन्हें परिवहन में अतिरिक्त खर्च और समय की बर्बादी होती थी। छोटे किसानों के लिए यह और भी बड़ी समस्या थी। कई बार ट्रैक्टर-ट्रॉली न मिलने से धान समय पर नहीं बिक पाता था। राज्य शासन के निर्देशानुसार जब देवसागर में नये धान खरीदी केंद्र की स्वीकृति मिली तो क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई। शासन ने ग्राम पंचायत देवसागर में शासकीय भूमि को खरीदी केंद्र के लिए चयनित किया।

शासकीय भूमि पर था बेजा कब्जा

खरीदी केंद्र के लिए चयनित स्थान जो शासकीय भूमि थी, उस पर ग्रामवासियों ने अपनी आवश्यकता अनुसार कब्जा कर रखा था। किसी ने वहां मवेशी बांध रखे थे, तो किसी ने अस्थायी झोपड़ी बना रखी थी, तो किसी ने अपना सामान रख रखा था। यह कब्जा लंबे समय से चला आ रहा था। जब धान खरीदी केंद्र के लिए जगह की नाप-जोख की गई तो यह बात सामने आई कि पूरी जमीन पर बेजा कब्जा है। इसके बाद तहसील कार्यालय द्वारा ग्रामीणों को नोटिस देकर कब्जा हटाने को कहा गया।

तहसीलदार की टीम ने हटवाया कब्जा

बेजा कब्जा हटाने के लिए भटगांव तहसीलदार परमेश्वरी तिलकवार के नेतृत्व में राजस्व टीम मौके पर पहुंची। टीम ने बिना किसी जोर-जबरदस्ती के ग्रामीणों को समझाइश देकर कब्जा हटवाया। इस दौरान लगभग 5 एकड़ भूमि को बेजा कब्जा से मुक्त कराया गया। ताकि 9 गांवों से आने वाले किसानों को खरीदी केंद्र में किसी प्रकार की असुविधा न हो। धान खरीदी के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के आने-जाने, धान के रख-रखाव और तौल के लिए पर्याप्त जगह की आवश्यकता होती है, इसलिए इतनी बड़ी जगह को खाली कराना जरूरी था। तहसीलदार नेत्रप्रभा सिदार ने बताया कि बेजा कब्जा हटाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन का सहयोग किया और स्वयं ही अपना सामान हटा लिया। यह एक अच्छी पहल है कि किसान हित में ग्रामीणों ने खुद ही कब्जा खाली कर दिया।

ये रहे उपस्थित

बेजा कब्जा हटाने की इस कार्रवाई के दौरान ग्राम सरपंच देवसागर प्रतिनिधि उमाशंकर साहू, नई शाखा प्रबंधक पूरन साहू, पुलिस थाना भटगांव के सिपाही, ग्राम कोटवार, आर.आई. भटगांव तथा पटवारी की पूरी टीम के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। पुलिस की मौजूदगी से शांति व्यवस्था बनी रही।

9 गांवों के किसानों को होगा लाभ

इस नये धान खरीदी केंद्र के शुरू होने से देवसागर सहित आसपास के लगभग 9 गांवों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। अब उन्हें अपना धान बेचने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। समय और पैसे दोनों की बचत होगी। साथ ही धान खरीदी केंद्र नजदीक होने से वे अपनी फसल की देखरेख भी आसानी से कर पायेंगे। शासन द्वारा इस वर्ष धान खरीदी की तैयारियां जोरों पर हैं। बेजा कब्जा हटने के बाद अब यहां चबूतरा निर्माण, कांटा-बांट, बारदाना व्यवस्था और अन्य तैयारियां शुरू की जायेंगी। क्षेत्र के किसानों ने शासन और प्रशासन के इस कदम का स्वागत किया है।

खेलभांठा मैदान में 2 नवंबर को होगा जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

- **शाम 4 बजे से होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम; सांसद राधेश्याम राठिया मुख्य अतिथि के रूप में होंगे शामिल**
- **प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा, मंत्री ओ.पी. चौधरी सहित, जनप्रतिनिधियों को किया गया आमंत्रित**

सारंगढ़-बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के अवसर पर सारंगढ़ के खेलभांठा मैदान में 2 नवंबर को जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा। शाम 4 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। कलेक्टर मती पद्मिनी भोई साहू ने जिले के जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों और नागरिकों को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। समारोह के मुख्य अतिथि रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद राधेश्याम राठिया होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिले के प्रभारी मंत्री तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास और उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा और वित्त, वाणिज्यिक कर (आबकारी को छोड़कर), आवास एवं पर्यावरण, योजना तथा आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी शामिल होंगे।

जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र की सांसद कमलेश जांगड़े, सारंगढ़ विधायक उत्तरी गणपत जांगड़े और बिलाईगढ़ विधायक कविता प्राण लहरे भी समारोह में उपस्थित रहेंगी। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय और सारंगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष सोनी अजय बंजारे सहित जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्य, सरपंच, नगर पंचायत अध्यक्ष और पार्षदों को भी आमंत्रित किया गया है। समारोह में छत्तीसगढ़ की कला और सांस्कृतिक परंपराओं पर आधारित प्रस्तुतियां होंगी। जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से राज्योत्सव समारोह में सहभागी बनने की अपील की है।

चक्रवात 'अर्नब' से प्रभावित खरीफ फसलों का संयुक्त सर्वेक्षण कर रहे राजस्व और कृषि विभाग

टमटोरा और रामटेक में खेतों का निरीक्षण, धान की फसल गिरने और जलभराव की स्थिति का लिया जायजा

- **बीमित किसान 72 घंटे के भीतर 14447 या व्हाट्सएप नंबर 7065514447 पर दें फसल क्षति की सूचना**



सारंगढ़-बिलाईगढ। चक्रवात 'अर्नब' के प्रभाव से खरीफफसलों को हुई क्षति का आकलन करने के लिए राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी संबंधित बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का संयुक्त रूप से सतत निरीक्षण कर रहे हैं। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार सर्वेक्षण दल खेतों में पहुंचकर फसलों की वास्तविक स्थिति का जायजा ले रहे हैं, ताकि प्रभावित किसानों के फसल क्षति दावों पर नियमानुसार कार्रवाई की जा सके। इसी क्रम में 31 अक्टूबर को विकासखंड सारंगढ़ के ग्राम टमटोरा और रामटेक में प्रभावित खेतों का मौका निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई किसानों के खेतों में धान की फसल गिरी हुई और जलभराव की स्थिति पाई गई। अधिकारियों ने फसल क्षति का अवलोकन कर प्रभावित खेतों और क्षेत्रवार नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए। मौके पर उपस्थित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सारंगढ़ ने संबंधित अधिकारियों को सर्वेक्षण कार्य प्राथमिकता से और शीघ्र पूरा करने तथा प्रभावित किसानों को नियमानुसार राहत एवं क्षतिपूर्ति का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव ने बताया कि कृषि विभाग मैदानी स्तर पर फसल क्षति के आकलन के लिए लगातार निगरानी कर रहा है। उन्होंने जलभराव से फसल को होने वाली क्षति कम करने के लिए किसानों को प्रभावित खेतों से जल्द पानी निकालने की उचित व्यवस्था करने की सलाह दी।

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों के माध्यम से ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में फसलों का सतत निरीक्षण करने, वास्तविक स्थिति का आकलन करने और प्रभावित किसानों को बीमा कंपनी को सूचना देने की प्रक्रिया से अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

छोईहा-मोहरंगिया की धार में गंदगी का भरमार, सुध लेती नगर सरकार ?

बेमेतरा। नगर की जीवनदायिनी मानी जाने वाली छोईहा और मोहरंगिया नालों के संगम पर खड़े होकर आज उनकी दुर्गति साफदेखी जा सकती है। कभी जीवन और खेतों को सहारा देने वाली धार अब कचरे, मलबे और ठहरे गंदे पानी में दबती जा रही है। संगम की तस्वीर देखकर यही लगता है — जैसे होना चाहिए, व्यवस्था ठीक उसके विपरीत चल रही है। नवागढ़ नगर पंचायत में बहने वाले इन दोनों नालों का अस्तित्व अब खतरे में है। बहाव की जगह सँकरी हो गई है, किनारे टूट रहे हैं और पानी की जगह कचरा जमा हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब से दोनों नालों के मूल स्वरूप में छेड़छाड़ शुरू हुई, तब से व्यवस्था चौपट होती गई।



मलबा बना सबसे बड़ी बाधा- पुराने रपटे का मलबा आज तक नहीं हटाया गया। वही मलबा बहाव को रोक रहा है और पानी के साथ आया कचरा वहीं फंसकर सड़ रहा है। जहाँ पानी को बहना था, वहाँ अब दुर्गंध और मच्छरों का डेरा है। लोगों का कहना है कि थोड़ी सफाई और थोड़ी निगरानी से यह जगह फिर जीवित हो सकती है, पर अब तक सिर्फ वादे मिले हैं।

दाढ़ी की तरह तटबंध हो तो तस्वीर बदले- लोगों ने दाढ़ी में सकरी नदी पर किए गए तटबंध का उदाहरण दिया। वहाँ किनारों को मजबूत किया गया, बहाव को रास्ता मिला और नदी का रूप निखर गया। नवागढ़ में भी ठीक वैसा ही काम हो जाए तो संगम की तस्वीर बदल सकती है। सुरक्षित तट, साफ धार और व्यवस्थित किनारे — यही नवागढ़ की माँग है।

बारिश ने खोल दी पोल- बुधवार और गुरुवार को हुई बारिश के बाद नगर से जो तस्वीर आई, वह चिंताजनक थी। गलियाँ गोबर से अटी पड़ी थीं, कीचड़ और कचरा हर मोड़ पर दिखाई दिया। नालों का पानी जगह-जगह रुक गया और गंदगी गलियों में फैल गई। यह सिर्फ असुविधा नहीं, बीमारी का खतरा भी है। सबसे ज्यादा चर्चा बस स्टैंड की रही। यात्रियों के लिए बना बस स्टैंड अब अघोषित गौठान जैसा नजर आ रहा है। मवेशियों का जमावड़ा, गोबर और कीचड़ — इन सबके बीच यात्रियों को खड़ा होने की जगह तक नहीं मिल रही। लोग सवाल पूछ रहे हैं कि जब सुविधा के लिए जगह बनी है, तो उसकी व्यवस्था कौन देखेगा?

जनता की माँग: सुध लें नगर सरकार- नगर के लोगों की माँग साफ है — नगर पंचायत मौके पर उतरकर नालों की सफाई कराए, मलबा हटाए और तटबंध की योजना बनाए। लोगों का कहना है कि नाले शहर की धरोहर हैं। यदि आज इन्हें नहीं बचाया गया, तो आने वाली बरसात में नुकसान और बढ़ेगा। अब नवागढ़ पूछ रहा है — क्या नगर सरकार सच में सुध लेगी?

तूफान से किसानों की फसलें बर्बाद, पटवारी हड़ताल पर, कौन करेगा आंकलन : प्रवेश दुबे



भटगांव। अर्नब तूफान के कारण सारंगढ़ बिलाइगढ़ जिले में किसानों की धान की फसल को हुए भारी नुकसान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रवेश दुबे ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रभावित किसानों की फसलों का तत्काल सर्वे कराने, नुकसान का आंकलन करने और पात्र किसानों को शीघ्र मुआवजा एवं फसल बीमा राशि का भुगतान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अर्नब तूफान ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। किसानों ने दिन-रात मेहनत करके धान की फसल तैयार की, खाद-बीज एवं दवाइयों की व्यवस्था की, अब जब प्राकृतिक आपदा से फसलें बर्बाद हो रही हैं, तब किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि पटवारी हड़ताल पर हैं और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर किसानों की फसलों के नुकसान का आंकलन कौन करेगा। उन्होंने कहा कि फसल बर्बाद होने के बाद किसानों को तत्काल राहत की जरूरत है, लेकिन यदि सर्वे और नुकसान के आंकलन में देरी होती है तो किसानों को मुआवजा मिलने में भी देरी होगी। किसान पहले ही खेती की बढ़ती लागत और आर्थिक दबाव से जूझ रहे हैं।

शासकीय शहीद वीर नारायण सिंह महाविद्यालय में युवा संवाद कार्यक्रम संपन्न

बिलाईगढ। शासकीय शहीद वीर नारायण सिंह महाविद्यालय, बिलाईगढ़ में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुभाष जलान जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य उमाकांत मिश्र जी ने की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं के विचारों, उनकी जिज्ञासाओं, सामाजिक सहभागिता एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर युवाओं के साथ विभिन्न समसामयिक विषयों पर संवाद एवं विचार-विमर्श किया गया। मुख्य अतिथि सुभाष जलान जी ने युवाओं को सकारात्मक सोच, अनुशासन, जिम्मेदारी एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। वहीं अध्यय उद्बोधन में प्राचार्य उमाशंकर मिश्र जी ने युवाओं के सर्वांगीण विकास में शिक्षा, संस्कार और जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में रामनारायण देवांगन, राधा राकेश, धीरज दीक्षित, झाड़ू लाल साहू, सुकदेव साहू, सावित्री देवांगन, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।





मोहम्मद साबिर का अंडर-14 छत्तीसगढ़ क्रिकेट टीम में चयन, अब भोपाल में दिखाएंगे दमखम

भटगांव। क्षेत्र के होनहार क्रिकेट खिलाड़ी मोहम्मद साबिर, पिता आसिफ खान, का चयन अंडर-14 छत्तीसगढ़ क्रिकेट टीम में हुआ है। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। अब साबिर 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक भोपाल में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की शालेय ख5ीड़ा प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। मोहम्मद साबिर का चयन पेंड्रा मे आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। उन्होंने अपने खेल कौशल, बल्लेबाजी प्रतिभा और मेहनत से चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए उनका चयन उनके क्रिकेट करियर की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साबिर की ख्रि5केट प्रतिभा को सबसे पहले उनके प्रारंभिक कोच एवं शिक्षक लक्ष्मीकांत सोनी ने पहचाना। वे स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय (SAGES), भटगांव में शिक्षक हैं। साबिर की प्रतिभा और क्रिकेट के प्रति लगन को देखते हुए लक्ष्मीकांत सोनी ने उन्हें बेहतर प्रशिक्षण एवं अवसर दिलाने के उद्देश्य से रायपुर जाने के लिए प्रेरित किया। वर्तमान में मोहम्मद साबिर रायपुर स्थित सीजी एजुकेशन अकादमी में अध्ययनरत हैं, जहां वे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ क्रिकेट प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। साबिर दाएं हाथ के बल्लेबाज (Right-Handed Batsman) हैं। उनकी इस सफलता में उनकी मेहनत, अनुशासन, परिवार के सहयोग और प्रारंभिक कोच के मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अब भोपाल में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में साबिर को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। क्षेत्रवासियों एवं खेलप्रेमियों को उम्मीद है कि वे राष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ और भटगांव का नाम रोशन करेंगे। मोहम्मद साबिर की इस उपलब्धि पर शिक्षकों, खेलप्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।



स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से बच्चों को दवाएं व पोषण सामग्री वितरित

कुपोषण मुक्त जिले की दिशा में विशेष स्वास्थ्य शिविर, 44 बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

- **अगले सप्ताह भटगांव, बिलाईगढ़, लेन्धा और बरमकेला में भी लगेंगे शिविर**





सारंगढ़-बिलाईगढ़। कुपोषण मुक्त जिला बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के मार्गदर्शन में CHMO डॉ. पुष्पेंद्र वैष्णव के नेतृत्व मे जिला अस्पताल सारंगढ़ में कुपोषित बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से हुए शिविर में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनकी जरूरत के अनुसार दवाएं और पोषण सामग्री उपलब्ध कराई गई। शिविर में कुल 44 बच्चों की जांच की गई। इनमें सारंगढ़ परियोजना के 35 और कोसीर परियोजना के 9 बच्चे शामिल रहे। बच्चों को कैल्शियम, जिंक, सिट्रीजिन, पैरासिटामोल, आयरन, एंजाइम और एल्बेंडाजोल सहित आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। साथ ही प्रोटीन पाउडर तथा कैल्शियम और मल्टीविटामिन सिरप भी उपलब्ध कराया गया। कुपोषण से प्रभावित बच्चों के स्वास्थ्य की समय पर जांच और उन्हें आवश्यक उपचार एवं पोषण सहयोग उपलब्ध कराना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। शिविर में विभागीय अमले ने बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ उनके उपचार और पोषण संबंधी जरूरतों पर ध्यान दिया। इस सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान की सराहना की गई। इसी क्रम में आगामी सप्ताह परियोजना भटगांव, बिलाईगढ़, लेन्धा और बरमकेला में भी विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों की तिथि स्वास्थ्य विभाग से समन्वय के बाद संबंधितों को सूचित की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने और आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

अर्नब' तूफान से फसल क्षति का कृषि विभाग व बीमा कंपनी की संयुक्त टीम द्वारा सर्वे शुरू

- **3622 किसानों ने टोल-फ्री नंबर 14447 पर दर्ज कराई सूचना**



बालोद। चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव और बेमौसम बारिश से जिले में फसलों को पहुंचे नुकसान का आकलन करने के लिए कृषि विभाग तथा फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों की संयुक्त टीम द्वारा आज 31 अक्टूबर से सघन सर्वे कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिले के समस्त तहसीलों में सर्वे का काम तेज गति से जारी है और प्रारंभिक चरण में अब तक 180 कृषकों के खेतों का सर्वे कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि चक्रवाती तूफान 'अर्नब' से फसल क्षति होने पर जिले के 3622 किसानों द्वारा फसल बीमा के टोल-फ्री नंबर 14447 पर अपनी सूचना दर्ज कराई गई है। फसल कटाई के उपरांत खेत में सुखाने के लिए फैलाकर रखी हुई अथवा छोटे बंडलों में बंधी अधिसूचित फसलों को ओला, चक्रवात, चक्रवाती वर्षा एवं बेमौसम बारिश जैसी प्राकृतिक आपदाओं से नुकसान होने पर नियमानुसार बीमित कृषकों को क्षतिपूर्ति दावा राशि संबंधित बीमा कंपनी द्वारा प्रदान की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

स्पेशल कैंपेन 6 के अंतर्गत एसईसीएल में सफाई मित्र सम्मान समारोह आयोजित



बिलासपुर। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत एसईसीएल द्वारा संचालित स्पेशल कैंपेन 6 के अंतर्गत आज रविंद्र भवन, वसंत विहार, बिलासपुर में सफाई मित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों, विभागाध्यक्षों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर श्री बिरंची दास ने सफाई मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ कार्यस्थल के निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से स्वच्छता को अपनी दैनिक कार्यशैली का हिस्सा बनाने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा लगभग 200 सफाई कर्मियों का सम्मान। मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उन्हें सम्मानित कर उनके समर्पण, परिश्रम एवं योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि एसईसीएल में 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान 6संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत कार्यालयों एवं विभिन्न कार्यस्थलों पर स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, अनुपयोगी सामग्रियों के निस्तारण तथा स्वच्छ एवं व्यवस्थित कार्य परिवेश के निर्माण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

दीपावली से पहले कोरबा पुलिस ने पटाखा कारोबारियों को दिए सुरक्षा के निर्देश, नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई

कोरबा दीपावली पर्व के दौरान जनसुरक्षा, अग्नि सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कोरबा पुलिस ने पटाखा व्यापारियों की बैठक आयोजित की। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में हुई बैठक में व्यापारियों को लाइसेंस की शर्तों और सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही होमगार्ड के अग्निशमन दल ने आग बुझाने वाले उपकरणों के इस्तेमाल का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश ठाकुर, नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक चतुर्वेदी, सीएसीबी प्रभारी विरासत कुजूर, नगर निगम की ओर से सुमित गुप्ता तथा होमगार्ड अग्निशमन दल के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों को निर्देशित किया कि वे दुकानों में वैध लाइसेंस की प्रति प्रदर्शित करें और लाइसेंस में निर्धारित स्थान पर ही पटाखों का विक्रय एवं भंडारण करें। निर्धारित मात्रा से अधिक पटाखे रखने, लाइसेंस की वैधता समाप्त होने के बाद कारोबार करने और दुकान का उपयोग अन्य कार्यों के लिए करने पर रोक की जानकारी दी गई। अग्नि सुरक्षा के मद्देनजर प्रत्येक दुकान में पर्याप्त संख्या में अग्निशमन यंत्र, रेत और पानी की व्यवस्था रखने को कहा गया। दुकानों में बीड़ी, सिगरेट, माचिस और खुली आग के उपयोग पर प्रतिबंध का पालन करने, विद्युत वायरिंग सुरक्षित रखने तथा दुकानों के बीच निर्धारित दूरी बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। अग्निशमन वाहनों के आवागमन के लिए पर्याप्त जगह और आपातकालीन निकास मार्ग खुला रखने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान होमगार्ड अग्निशमन दल ने व्यापारियों को अग्निशमन यंत्रों के सही इस्तेमाल की जानकारी दी और उनका प्रदर्शन कर आग लगने की स्थिति में तत्काल उठाए जाने वाले कदम समझाए।

स्कॉर्पियो में मवेशियों को बांधकर झारखंड ले जा रहा आरोपी गिरफ्तार, दो मवेशी और वाहन जब्त

बलरामपुर। कुसमी थाना क्षेत्र के कुम्हारपारा में पुलिस ने मवेशियों के अवैध और क्रूरतापूर्वक परिवहन के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी स्कॉर्पियो वाहन में दो मवेशियों को उनके पैर और मुंह बांधकर झारखंड के गुमला ले जा रहा था। पुलिस ने दोनों मवेशियों के साथ स्कॉर्पियो वाहन भी जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, 1 नवंबर 2026 को सूचना मिली थी कि सफेद रंग की स्कॉर्पियो में मवेशियों को भरकर ले जाया जा रहा है। सूचना पर कुम्हारपारा निवासी सी.जे. कुमार प्रजापति अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्हें देखकर वाहन चालक भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम तस्लीम खान (28 वर्ष), निवासी साई टांगरटोली, थाना लोदाम, जिला जशपुर बताया। वाहन की जांच करने पर उसमें दो मवेशी मिले, जिनके चारों पैर और मुंह बांधे गए थे।

स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का भी हुआ आयोजन

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर निकली सद्भावना एवं एकता पदयात्रा

बिलासपुर। भारत के लौह पुरुष एवं राष्ट्रीय एकता के प्रतीक सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ बिलासपुर द्वारा सद्भावना एवं एकता पदयात्रा तथा एकता दौड़ का आयोजन किया गया। यह पदयात्रा सेजेस उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बालक सरकंडा से प्रारंभ होकर रामसेतु तक निकाली गई। इसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थाओं से 55 स्काउट, 60 रोवर, 123 गाइड, 58 रेंजर तथा 40 स्काउटर एवं गाइडर सहित विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए। इस प्रकार कुल 396 स्काउटिंग परिवार के सदस्यों एवं शिक्षकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ बिलासपुर द्वारा सेजेस उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बालक सरकंडा में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को साइन ,सैल्यूट, स्काउटिंग एवं गाइडिंग का इतिहास, स्काउटिंग की पुस्तकों का ज्ञान, प्राथमिक उपचार, स्काउटिंग के नियम, प्रतिज्ञा, उद्देश्य एवं आदर्श वाक्य सहित विभिन्न



आवश्यक गतिविधियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान में आयोजित एडवेंचर शिविर में सम्मिलित हुए स्काउट एवं गाइड प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किट का वितरण भी किया गया। शिविर संचालन स्काउट विभाग से महेन्द्र बाबू टंडन, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) तथा गाइड विभाग से श्रीमती बीना यादव, संयुक्त राज्य सचिव द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय कुमार यादव, सहायक राज्य आयुक्त (स्काउट) रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भूपेन्द्र शर्मा, सहायक राज्य आयुक्त तथा डॉ. भारती दुबे, राज्य मुख्यालय आयुक्त (गाइड) उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेन्द्र कुमार साहू ने की। इस अवसर पर श्रीमती आरती राय, जिला आयुक्त (गाइड), तुकेश्वर यादव, जिला मुख्यालय आयुक्त (स्काउट) तथा विद्यालय के प्राचार्य पी. मंडल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। शिविर संचालन में स्काउट विभाग के सहयोगी संचालक संतोष त्रिपाठी, डॉ. प्रदीप निर्णेजक, संतोष तबोली, राजेन्द्र कौशिक, सुरेश साहू, बांके बिहारी दुबे, शत्रुहन सूर्यवंशी, नवीन यादव एवं अनिल सोनवानी का योगदान रहा। गाइड विभाग के शिविर संचालन में सहयोग श्रीमती कल्पना सिंह,श्रीमती माधुरी यादव,श्रीमती किरण बाला पाण्डेय, डॉ. भारती दुबे, सुश्री लता यादव,श्रीमती स्वाति हार्डिकर, श्रीमती अपर्णा सारखेल, श्रीमती रश्मि रानी तिवारी, श्रीमती रागिनी चौधरी, श्रीमती रत्ना दास,एवं श्रीमती पुष्पा शर्मा, डॉ.शीला शर्मा द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से सरदार वल्लभभाई पटेल के एकता एवं अखंडता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के साथ युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सद्भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा भावना को प्रोत्साहित किया गया।

बिलासपुर मंडल में ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह' का शुभारंभ

- मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ जीवनशैली अपनाने के लिए यात्रियों और रेलकर्मियों को किया जाएगा जागरूक



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा पर्यावरण अनुकूल एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक 01 से 07 नवम्बर 2026 तक 'ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय रेलवे की 'मिशन लाइफ'की भावना के अनुरूप आयोजित इस सप्ताह के दौरान रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों, कार्यालयों, रेलवे कॉलोनियों, कार्यशालाओं एवं अन्य रेलवे परिसरों में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज दिनांक 01 नवम्बर 2026 को 'स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं' थीम के तहत मंडल के सभी बड़े एवं छोटे स्टेशनों पर डिजिटल डिस्प्ले, पोस्टर एवं उद्घोषणाओं के माध्यम से यात्रियों एवं सफाई मित्रों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान पौष्टिक भोजन, नियमित व्यायाम तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने का संदेश प्रसारित किया गया। इसके साथ ही मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर रेलवे कर्मचारियों एवं सफाई मित्रों के लिए विशेष योग सत्र आयोजित किए गए, जिनमें सभी ने उत्साहपूर्वक सामूहिक योगाभ्यास किया। इन सत्रों के माध्यम से नियमित योग, संतुलित एवं पौष्टिक आहार तथा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर बिलासपुर मंडल में निकाली गई प्रभातफेरी,रेलकर्मियों ने ली एकता की शपथ....

- मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिलाई राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ



बिलासपुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आज 31 अक्टूबर को बिलासपुर मंडल में राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर प्रभातफेरी एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत प्रात: 07 बजे एनईआई प्रांगण से राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं आपसी सौहार्द का संदेश देते हुए प्रभातफेरी निकाली गई, जो मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में संपन्न हुई। प्रभातफेरी में मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ नागरिक सुरक्षा दल, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, सेंट जॉन्स एम्बुलेंस तथा रेलवे स्कूलों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर रेलकर्मियों ने देश की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने, सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों एवं दूरदर्शी विचारों का अनुसरण करने तथा राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा एवं एकता को सुदृढ़ बनाने के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे.एस. मीना, श्री के श्रीनिवास, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ अंशुमान मिश्रा सहित मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में रेलकर्मी उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को 20 साल का कठोर कारावास

बलौदाबाजार। नाबालिग बालिका का अपहरण कर महाराष्ट्र के पुणे ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में विशेष पॉक्सो न्यायालय ने आरोपी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर अलग-अलग धाराओं में कुल 6 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला 14 अक्टूबर 2026 को विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) बलौदाबाजार गिर्जेश प्रताप सिंह की अदालत ने सुनाया। मामले के अनुसार, 8 जून 2025 को पीड़िता के पिता ने करहीबाजार पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग बेटी 3 जून की रात घर से बिना बताए कहीं चली गई है। पुलिस ने गुम इंसान क्रमांक 62/2025 दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। जांच के दौरान अपहरण और पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 601/2025 पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सुरागों के आधार पर 8 जुलाई 2025 को आरोपी मुकेश कुमार निषाद के कब्जे से बालिका को सुरक्षित बरामद किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी बालिका को बहला-फुसलाकर महाराष्ट्र के पुणे ले गया था, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण कराया और डीएनए जांच के लिए नमूने एफएसएल रायपुर भेजे। इसके अलावा दाखिल-खारिज रजिस्टर के आधार पर पीड़िता की आयु की पुष्टि की गई। तत्कालीन चौकी प्रभारी एवं विवेचना अधिकारी सहायक उप निरीक्षक राजेंद्र पाटिल ने जांच पूरी कर 19 अगस्त 2025 को न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर वंदे भारत मेंटेनेंस डिपो में 16 कोच वाली वंदे भारत ट्रेनसेट के रखरखाव की शुरुआत....

- महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने किया डिपो का निरीक्षण, आधुनिक मशीनों एवं मेंटेनेंस सुविधाओं का लिया जायजा



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर स्थित वंदे भारत मेंटेनेंस डिपो में आज 16 कोच वाली वंदे भारत ट्रेनसेट के परीक्षण एवं रखरखाव की शुरुआत की गई। इस डिपो में ट्रेन संख्या 20825/20826 बिलासपुर-नागपुर-बिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेस की मेंटेनेंस प्रक्रिया प्रारंभ होने के साथ ही डिपो के विकास के प्रथम चरण का संचालन शुरू हो गया है। डिपो का विकास वंदे भारत ट्रेनसेट के रखरखाव के लिए नवीनतम डिजाइन पर आधारित आधुनिक मशीनों, उपकरणों एवं तकनीकी सुविधाओं के साथ किया जा रहा है। वर्तमान में द्वितीय चरण का कार्य भी प्रगति पर है। बिलासपुर वंदे भारत मेंटेनेंस डिपो देश में वंदे भारत ट्रेनसेट के रखरखाव के लिए विकसित चौथा डिपो है। यहां स्थापित रिट्रैक्टेबल ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) प्रणाली इसकी प्रमुख विशेषताओं में से एक है। यह प्रणाली छत पर किए जाने वाले रखरखाव कार्यों के दौरान ओवरहेड विद्युत तारों को आवश्यकतानुसार हटाने की सुविधा प्रदान करती है, जिससे संरक्षित एवं निर्बाध रूप से कार्य किया जा सके। डिपो में 423 मीटर लंबी पूर्णत: कवर्ड इंस्पेक्शन बे लाइन (आईबीएल) उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, चार टायरों की जांच के लिए विशेष निरीक्षण प्रणाली, ट्रेनसेट के निचले हिस्से की जांच हेतु सेंटर पिट लाइन, कोचों के पार्श्व हिस्सों के निरीक्षण के लिए फ्लोर-लेवल सुविधाएं, कोच के आंतरिक हिस्सों तक पहुंच के लिए प्लेटफॉर्म तथा छत पर रखरखाव कार्यों के लिए विशेष वर्किंग प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से 16 कोच वाली वंदे भारत ट्रेनसेट के निरीक्षण एवं रखरखाव को अधिक व्यवस्थित, संरक्षित और प्रभावी बनाया जा सकेगा। डिपो में पहियों की आवश्यक टर्निंग के लिए सीएनसी पिट व्हील लेथ तथा कोचों की बाहरी सतह की स्वचालित धुलाई के लिए ऑटोमेटिक कोच वॉशिंग प्लांट भी स्थापित किया गया है। ये आधुनिक सुविधाएं ट्रेनसेट के नियमित रखरखाव, स्वच्छता एवं परिचालन तत्परता को बेहतर बनाने में सहायक होंगी।

एसईसीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत 'संकल्पसिद्धि समारोह' आयोजित, प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं सेवानिवृत्त कर्मियों का सम्मान.....

- मुख्य वक्ता डॉ. निखिल कुमार कनोडिया ने सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं जवाबदेही पर दिया जोर

बिलासपुर। केंद्रीय सतर्कता आयोग भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत एसईसीएल में 26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2026 तक आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आज एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में 'संकल्पसिद्धि समारोह' का आयोजन किया गया। केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा इस वर्ष की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. निखिल कुमार कनोडिया (भा.पु.से.), पुलिस महानिरीक्षक एवं भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (हब) के पूर्व मुख्य सतर्कता अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन, निदेशक (तकनीकी संचालन) श्री रमेश चंद्र महापात्र तथा निदेशक (तकनीकी योजना/परियोजना) श्री नृपेंद्र नाथ सहित एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा एसईसीएल के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के निरीक्षण से हुई। यहां उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली एवं डिजिटल निगरानी व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात अतिथियों ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह गैलरी का अवलोकन किया, जहां सतर्कता विभाग द्वारा संचालित विभिन्न पहलों, जागरूकता अभियानों एवं गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया था। इसके बाद 'एक पेड़ सतर्कता के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। तत्पश्चात ऑडिटोरियम में दीप प्रज्ज्वलन एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर समारोह का



शुभारंभ किया गया। मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित गतिविधियों एवं विभाग द्वारा किए गए प्रयासों की जानकारी दी। इस अवसर पर अतिथियों का पौधा, शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. निखिल कुमार कनोडिया ने अपने संबोधन में संस्थानों में सुशासन के लिए सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नैतिक आचरण को आवश्यक बताया। उन्होंने अपने दीर्घ प्रशासनिक अनुभवों को साझा करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यों में ईमानदारी एवं निष्पक्षता बनाए रखने तथा भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने विशेष रूप से स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों से संवाद किया और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं और उनमें प्रारंभ से ही ईमानदारी, नैतिकता एवं सत्यनिष्ठा के संस्कार विकसित करना आवश्यक है। निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कार्यस्थल पर सत्यनिष्ठा एवं नैतिक मूल्यों के पालन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ भी दिलाई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न वर्गों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। स्कूली विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद, चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिताएं तथा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद एवं निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वहीं, एसईसीएल कर्मचारियों के लिए वाद-विवाद, निबंध, स्लोगन, कविता, प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पर्यटकों के लिए खुला अचान कमार टाइगर रिजर्व,पहले दिन उमड़ी सैलानियों की भीड़

मुंगेली। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध अचानकमार टाइगर रिजर्व (ञ्क्र) में नए पर्यटन सत्र का आगाज हो गया है। 1 नवंबर से रिजर्व के द्वार पर्यटकों के लिए खोल दिए गए हैं। मानसून के बाद पहले ही दिन बड़ी संख्या में पर्यटक जंगल सफारी और वन्यजीवों को करीब से देखने पहुंचे। इस बार पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने कई नई व्यवस्थाएं की हैं। अब पर्यटकों को छपरवा गेट के साथ केंवची गेट से भी जंगल में प्रवेश की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा सफारी के रोमांच को बेहतर बनाने के लिए जिप्सी, महारानी और योद्धा जैसे विशेष वाहनों की व्यवस्था की गई है। करीब 914.017 वर्ग किलोमीटर में फैले अचानकमार टाइगर रिजर्व की प्रमुख विशेषता यहां मौजूद बाघों की संख्या है। पिछली वन्यजीव गणना के अनुसार, रिजर्व में 18 बाघ मौजूद हैं। यह संख्या इसे छत्तीसगढ़ के प्रमुख बाघ अभयारण्यों में विशेष स्थान दिलाती है। जंगल सफारी के साथ पर्यटकों के ठहरने के लिए शिवतराई स्थित बैगा रिसॉर्ट में भी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यहां 14 सामान्य और 4 प्रीमियम कमरे तैयार किए गए हैं। इसके अलावा पर्यटकों को सफारी बुकिंग और अन्य जानकारियां उपलब्ध कराने के लिए विशेष हेल्पलाइन संपर्क नंबर भी जारी किया गया है।



ब्रजभूमि

भगवान श्रीकृष्ण धन्य हैं, उनकी लीलाएं धन्य हैं और इसी प्रकार वह भूमि भी धन्य है, जहां वह त्रिभुवनपति मानस रूप में अवतरित हुए और ब्रजभूमि जहां उन्होंने वे परम पुनीत अनुपम अलौकिक लीलाएं कीं।

जहां कृष्ण ने की अनेक लीलाएं..

हिंदुस्थान में अनेक तीर्थ स्थान हैं, सबका महात्म्य है, भगवान के और-और भी जन्मस्थान हैं पर यहां की बात ही कुछ निराली है। यहां के नगर-ग्राम, मठ-मंदिर, वन-उपवन, लता-कुंज आदि की अनुपम शोभा भिन्न-भिन्न ऋतुओं में भिन्न-भिन्न प्रकार से देखने को मिलती है।

अपनी जन्मभूमि से सभी को प्रेम होता है फिर वह चाहे खुला खंडहर हो और चाह सुरम्य स्थान, वह जन्मस्थान है, यह विचार ही उसके प्रति होने के लिए पर्याप्त है। इसी से सब प्रकार से सुंदर द्वारका में वास करते हुए भी भगवान श्रीकृष्ण जब ब्रज का स्मरण करते थे, तब उनकी कुछ विचित्र ही दशा हो जाती थी।

जब ब्रज भूमि के वियोग से स्वयं ब्रज के अधीश्वर भगवान श्रीकृष्ण का ही यह हाल हो जाता है, तब फिर उस पुण्यभूमि की रही-सही नैसर्गिक छटा के दर्शन के लिए, उस छटा के लिए जिसकी एक झांकी उस पुनीत युग का, उस जगद् गुरु का, उसकी लौकिक रूप में की गई अलौकिक लीलाओं का अद्भुत प्रकार से स्मरण कराती, अनुभव का आनंद देती और मलिन मन-मंदिर को सर्वथा स्वच्छ करने में सहायता प्रदान करती है, भावुक भक्त तरसा करते हैं।

इसमें आश्चर्य ही क्या है? नैसर्गिक शोभा न भी होती, प्राचीन लीलाचिह्न भी न मिलते होते तो भी केवल साक्षात् परब्रह्म का यहां विग्रह होने के नाते ही यह स्थान आज हमारे लिए तीर्थ था, यह भूमि हमारे लिए तीर्थ थी, जहां की पावन रज को ब्रह्मज्ञ उद्धव ने अपने मस्तक पर धारण किया था।

वह ब्रजवासी भी दर्शनीय थे, जिनके पूर्वजों के भाग्य की सराहना करते-करते भक्त सूरदास के शब्दों में बड़े-बड़े देवता आकर उनकी जूठन खाते थे, क्योंकि उनके बीच में भगवान अवतरित हुए थे।

ब्रज-वासी-पटतर कोउ नाहिं।
ब्रह्म सनक सिव ध्यान न पावत, इनकी जूठनि लै लै खाहिं॥
हलधर कह्यौ, छाक जेंवत संग, मीठो लगत सराहत जाहिं।
सूरदास प्रभु जो विश्वम्भर, सो ग्वालनके कौर अघाहिं॥

तब फिर यहां तो अनन्त दर्शनीय स्थान हैं, अनन्त सुंदर मठ-मंदिर, वन-उपवन, सर-सरोवर हैं, जो अपनी शोभा के लिए दर्शनीय हैं और पावनता के लिए भी दर्शनीय हैं। सबके साथ अपना-अपना इतिहास है। यद्यपि मुसलमानों के आक्रमण पर आक्रमण होने से ब्रज की सम्पदा नष्टप्राय हो गई है। कई प्रसिद्ध स्थानों का चिह्न तक मिट गया है, मंदिरों के स्थान पर मस्जिदें खड़ी हैं, तथापि धर्मप्राण जनों की चेष्टा से कुछ स्थानों की रक्षा तथा जीर्णोद्धार होने से वहां की जो आज शोभा है, वह भी दर्शनीय ही है।

कैलाश परिक्रमा से मिट जाते हैं जन्मों के कष्ट

तिब्बत स्थित कैलास पर्वत को शास्त्रों में कैलास को मेरू गण पर्वत, रजतगिरि आदि नामों से भी वर्णित किया गया है। इतना ही नहीं कैलास पर्वत शिव आराधना का सर्वोच्च स्थल भी माना गया है। सनातन धर्म के अनुसार यह भगवान आशुतोष व पार्वती का स्थायी निवास है। पुराणों के अनुसार भगवान शिव व पार्वती के नृत्य करने से इसका नाम कैलास हुआ। उपासकों का मत है कि स्वयं भू कैलास पर भगवान शंकर का विशाल राजप्रसाद है। जहां केवल ब्रह्म, विष्णु एवं महेश आदि देवों का ही प्रवेश संभव है। कैलास न केवल सनातनधर्मियों बल्कि जैन, बौद्ध व तिब्बितयों के लिए प्रारंभ से ही श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है।

यहां विराट एवं अतिभव्य लिग शदल कमल के मध्य में अवस्थित है। इस पवित्र लिग पर सदैव लिपुंड की रचना प्रकृति के पावन करों से होती है। तिब्बती भाषा में कैलास को पवित्र हिम से जाना जाता है। यही कारण है कि तिब्बती कैलास परिक्रमा दंडवत लेट-लेट कर पूर्ण करते हैं। कैलास परिक्रमा मार्ग दरचन से प्रारंभ होता है जो लगभग 54 किलोमीटर का है। मार्ग के क्रम में न्याडीगुम्का, दिरापुक, दोल्माघाटी, गौरीकुंड व जुन्धुलुपुक आदि मनोहारी व रमणीक स्थल पड़ते हैं। इनमें समुद्र तल से 18600 फीट की ऊंचाई पर स्थित दोल्माघाटी कैलास परिक्रमा का सर्वोच्च उच्च स्थल है। 14600 फीट की ऊंचाई पर कैलास से 20 मील पूर्व ही दो पवित्र सरोवर राक्षसताल व मानसरोवर बरबस ही उपासकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। राक्षसताल के संबंध में वर्णित है कि इसी स्थल पर लंकापति रावण ने खड़े होकर भगवान आशुतोष की अर्चना की थी जबकि मानसरोवर में भगवती सती की दाहिनी हथेली गिरी थी। ऐसा मत है कि यहां की शक्ति दाक्षयाणी व भैरव अमर हैं। ग्रीष्म ऋतु में मानसरोवर के पवित्र जल में तैरते हुए राजहंस व उत्ताल तरंगों की सुमधुर ध्वनि शैल शिखरों से प्रतिध्वनित होकर उत्पन्न नैसर्गिक संगीत का खुशनुमा वातावरण उपासकों को प्रकृति व अध्यात्म के समीप खींच लाती है जिससे उपासक को अलौकिक शांति का अनुभव होता है। जैन ग्रंथों में जहां मानसरोवर को पद्मपद से वर्णित किया गया है। मानसरोवर के पश्चिम में स्थित राक्षसताल की छटा ही निराली है। मानसरोवर स्थित मां शक्ति की प्रतिमा पाषाण रूप में है। जहां मां भगवती की अर्चना होती है। विभिन्न साहित्यकारों व कवियों ने अपने साहित्य में मानसरोवर की महत्ता का सुंदरतम वर्णन किया है जिनमें कवि कालिदास के मेघदूत आदि ग्रंथ मुख्य हैं। कैलास के अप्रतिम सौंदर्य व भगवान शंकर के सर्वोच्च उपासना स्थल होने के कारण उपासक प्रतिवर्ष श्रद्धापूर्वक कैलास परिक्रमा हेतु जाते हैं। पुराण में वर्णित है कि कैलास की एक प्रक्रिमा से ही जन्म- जन्मांतर के पाप कर्म देर हो जाते हैं।



दांम्पत्य जीवन को बनाएं तनावरहित

आज का यह बदलता परिवेश सिर्फ जीवनशैली में ही प्रभाव नहीं डालता अपितु वैवाहिक जीवन में भी परेशानी का सबब बन रही है। कई दम्पतियों में आपसी सामंजस्य एवं प्रेम का अभाव देखने को मिल ही जाता है। दम्पति में नौबत तलाक तक भी पहुंच जाती है। ऐसे में न सिर्फ प्रभावित दम्पति, वरन् पूरा परिवार परेशान हो जाता है। दाम्पत्य जीवन में सुख के लिए ये उपाय लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं-

- यदि किसी अन्य पुरुष अथवा स्त्री के कारण दाम्पत्य क्लेशपूर्ण बन रहा है, तो 7-7 गोमती चक्र, लघु नारियल एवं लघु शंख लें। इन्हें सवा गज के नए पीले वस्त्र में बांध लें। इसे प्रभावित (पति अथवा पत्नी) पर से सात बार उसार का बहते पानी में बहा दें। बहाने के बाद पीछे मुड़कर देखे बगैर सीधे घर लौट आएं।
- यदि दम्पति अथवा समूचे परिवार में वैचारिक मतभेद रहता है, तो प्रातःकाल उठते ही जिस मटके से परिवार के सभी सदस्य जल पीते हैं, उससे एक लोटा पानी भरें और उसे पूरे घर के प्रत्येक कक्ष में तथा छत पर छिड़कें। इस दौरान किसी से बात नहीं करें, साथ ही मन ही मन ॐ शांति का निरंतर उच्चारण करते रहें।
- परिवार में यदि पति-पत्नी के मध्य क्लेश रहता हो अथवा अन्य पारिवारिक सदस्यों के मध्य वैचारिक मतभेद अधिक रहते हों, तो प्रतिदिन इस मंत्र का 108 बार जपें-

धां धीं धूं धूर्जटेः पत्नी वां वीं वूं वागधीश्वरी।
क्रां क्रीं क्रूं कालिका देवि शां शीं शूं मे शुभं कुरु॥

- नवरात्र, दीपावली किसी भी शुभ मुहूर्त में घर में तुलसी का पौधा लगाएं। उसमें प्रतिदिन सायंकाल घी का दीपक प्रज्वलित करें। इससे परिवार अथवा प्रभावित दम्पति में सुख-शांति कायम रहेगी।

ऐसे लोगों को मिलती है कैरियर में कामयाबी

आज हर व्यक्ति पैसा कमाने के लिए निरंतर प्रयोग करता रहता है। अच्छा कैरियर किसे पसंद नहीं होता। अच्छे कैरियर के लिए युवा तरह-तरह कि जतन किया करते हैं। लेकिन जीवन में सफलता के लिए सबसे जरूरी है सही कैरियर का चुनाव। क्योंकि अक्सर कैरियर का सही चुनाव नहीं कर पाने के कारण ही व्यक्ति को जीवन में बड़ी कामयाबी नहीं मिल पाती है। अंक ज्योतिष में कैरियर के चुनाव के लिए एक बहुत ही आसान तरीका बताया गया है। इस तरीके को आजमाएं तो आप खुद ही अपने लिए सही कैरियर का चुनाव कर पाएंगे और अपने क्षेत्र में कामयाब व्यक्ति कहलाएंगे।

अंक ज्योतिष अनुसार हर व्यक्ति का एक मूलांक होता है। इस अंक को ज्ञात करके व्यक्ति अपने लिए सही कैरियर का चुनाव करे तो कामयाबी उसके कदम चूमती हैं क्योंकि मूलांक जिस क्षेत्र में कैरियर का संकेत देता है उस क्षेत्र में सफलता के लिए जो गुण चाहिए वह व्यक्ति में मौजूद होता है। जैसे किसी व्यक्ति का मूलांक 1 होता है तो उनमें नेतृत्व की योग्यता होती है। ऐसे व्यक्ति राजनीति एवं प्रबंधन के क्षेत्र में कामयाब होते हैं। वकालत के अलावा जिन क्षेत्रों में अधिक जोश और उत्साह की जरूरत होती है जैसे सेना, पुलिस के क्षेत्र में इन्हें सफलता मिल ही जाती है। फोटोग्राफी, ग्राफिक डिजाईनर, नाविक, नौसेना, ठेकेदारी, व्यवसाय एवं शिल्पकला के क्षेत्र में भी यह कामयाब होते हैं।

कर्ज से जल्दी मुक्ति पाने के लिए अपनाएं यह उपाय

देश और दुनिया में हो रहे विकास से लोगों विलासिता का सुख भोगने से अपने आप को कभी दुर नहीं रख पाते। इन सुखों के लिए लोग कर्ज लेने से भी पीछे नहीं हटते। जबकि एक तरह से कर्ज मानव जीवन के लिए अभिशाप होता है। जिस व्यक्ति पर कर्ज है वो व्यक्ति जिन्दा रहते हुए भी चलती - फिरती लाश के समान है। लेकिन इन उपायों से आप कर्ज को जल्द से जल्द से चुकता कर सकते हैं-

1. अगर आप कर्ज की प्रथम किश्त शुक्ल पक्ष के प्रथम मंगलवार से प्रारंभ करते है तो शीघ्र आप ऋ+ण से मुक्ति पा लेंगे।
2. घर का सारा कबाड़ अमावस्या या शनिवार को घर से बाहर करें।
3. मंगलवार को कभी क़र्ज न लें।
4. प्रतिदिन श्री सूक्त का पाठ स्फटिक श्री यंत्र के सामने करने से लक्ष्मी का आगमन होता है।
5. कभी भी बुधवार को क़र्ज न दें।
6. 5 मंगलवार हनुमान जी के मंदिर में 5-5 पीस मीठे देसी घी के रोट का भोग लगाए।
7. व्यवसाय, मकान बनवाने हेतु कर्ज जन्मकुंडली की विवेचना करवाने के पश्चात लें।
8. प्रत्येक मंगलवार ऋ+ण मोचक मंगल स्तोत का पाठ अवश्य करें।
9. सुबह उठते ही सबसे पहले एक मुट्ठी चावल पंक्षियों को चुगने के लिए डालिए।
10. घर में कभी कोई भी मेहमान या अचानक कोई भी आए कुछ न कुछ अवश्य खिलाएं नहीं तो पानी तो अवश्य ही पिलाएं।
11. शराब, मांस, नशे की चीजों से पूरी तरह से दूर रहें।

जीवन में रंगों को महत्व

कई लोगो को सादा जीवन पसंद है तो कईयों को रंगीन। क्या कभी आपने सोचा है कि इन रंग-बिरंगे रंगों को हमारे जीवन में क्या महत्व है। रंगों का हमारे जीवन व स्वास्थ्य पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। कहा जाता हे कि रंग नेत्रों के माध्यम से हमारे मानस में प्रविष्ट होते हैं एवं हमारे स्वास्थ्य, चितन, आचार-विचार आदि पर इनका गहरा प्रभाव पड़ता है। अतः उचित रंगों का प्रयोग कर हम वांछित लाभ पा सकते हैं। किसी जातक की सफलता उसके कर्मों और कुछ हद तक लाइफस्टाइल पर भी निर्भर करती है। वैसे तो प्रत्येक दिन का अपना अपना महत्व होता है लेकिन ज्योतिष के अनुसार सप्ताह के दिनों का संबंध ग्रहों की स्थिति पर आधारित होता है।प्रत्येक दिन का एक नंबर होता है। उन रंगों का चयन करके अच्छे परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। रंग हमारे विचारों को प्रभावित करते हैं तथा हमारी सफलता व असफलता के कारक भी बनते हैं। शुभ रंग भाग्योदय कारक होते हैं और अशुभ रंग भाग्य में कमी करते हैं।

सोमवारः सफेद	मंगलवारः लाल
बुधवारः हरा	गुरुवारः पीला
शुक्रवारः सफेद	शनिवारः काला
रविवारः नारंगी	

भिलाई इस्पात संयंत्र में कस्टमर मीट समारोह संपन्न, पारदर्शिता, डिजिटलीकरण एवं नैतिक व्यावसायिक कार्यप्रणाली पर दिया जोर



भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विपणन एवं व्यवसाय नियोजन विभाग (एम एवं बीपी) द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर इस्पात भवन स्थित सभागार में कस्टमर मीट समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में डिफेक्टिव स्टील स्क्रैप, स्लैग, कोल केमिकल्स, पिग आयरन एवं कमर्शियल रेल्स के ग्राहक शामिल हुए। साथ ही विजिलेन्स वित्त, सी एवं आईटी, एमआरडी, स्टोर्स तथा भिलाई ग्रुप ऑफमाइंस के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक (मार्केटिंग) सुश्री चैताली दास के स्वागत उद्बोधन से हुआ। इसके पश्चात सतर्कता विभाग के नेतृत्व में उपस्थित सभी लोगों ने सतर्कता प्रतिज्ञा ली। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) श्री के. सी. मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) श्री ए. के. मिश्रा , मुख्य महाप्रबंधक (राजहरा) श्री चिंतला श्रीकांत, मुख्य महाप्रबंधक (एमआरडी) श्री एच. के. सचदेव एवं महाप्रबंधक (विजिलेन्स) श्री संदीप गुप्ता ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री ए. के. चक्रवर्ती ने अपने संबोधन में ग्राहक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ सभी व्यावसायिक लेन-देन में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा एवं वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन के महत्व पर जोर दिया।महाप्रबंधक (मार्केटिंग) सुश्री दीप्ति राज ने मार्केटिंग विभाग की प्रमुख गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने सेकेंडरी सेल्स को अधिकतम करने तथा परिचालन संबंधी चुनौतियों के समाधान के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने विभाग द्वारा शुरू की गई विभिन्न डिजिटल पहलों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इन पहलों का उद्देश्य मानवीय त्रुटियों एवं कागजी कार्यवाही को कम करना, पारदर्शिता एवं संचार को बेहतर बनाना तथा ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना है।उप महाप्रबंधक (विजिलेन्स) श्री नवनीत शर्मा ने सतर्कता विभाग के कार्यों, एंटी-ब्राइबरी मैनेजमेंट सिस्टम (एबीएमएस) तथा त्रैमासिक प्रिवेंटिव विजिलेंस कैम्पन के अंतर्गत 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक संचालित की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। महाप्रबंधक (मार्केटिंग) श्री शुभा बंछोर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

कार्यक्रम का समन्वयन महाप्रबंधक (मार्केटिंग) सुश्री चैताली दास, महाप्रबंधक (मार्केटिंग) श्री पी. राजीव एवं महाप्रबंधक (मार्केटिंग) श्री एस. एस. परिडा ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में सहायक महाप्रबंधक (मार्केटिंग) श्री अजय तिवारी, उप प्रबंधक (मार्केटिंग) श्री शैलेश दुबे, उप प्रबंधक (मार्केटिंग) श्री मनोज कुमार सिंह एवं प्रशासनिक सहायक सुश्री अंजनी द्विवेदी ने सक्रिय योगदान दिया। इस ग्राहक मिलन समारोह ने ग्राहकों के साथ संवाद एवं विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया। साथ ही, इसने पारदर्शी व्यावसायिक प्रक्रियाओं, डिजिटल परिवर्तन, नैतिक आचरण तथा ग्राहकों के साथ सुदृढ़ संबंध स्थापित करने के प्रति भिलाई इस्पात संयंत्र की प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर जिला भाजपा ने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया नमन

हमर छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली विरासत और परंपराओं की देशभर में है विशिष्ट पहचान ङ्क महापौर अलका बाघमार

छत्तीसगढ़ की अस्मिता, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका ङ्क अनिकेत यादव



दुर्ग। 1 नवंबर छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर दुर्ग जिला भाजयुमो द्वारा जिला भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कौशिक के निर्देशानुसार दुर्ग कलेक्टर परिसर स्थित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं निरंतर विकास की कामना की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महापौर श्रीमती अलका बाघमार, जिला भाजपा उपाध्यक्ष श्री मनोज सोनी, जिला मीडिया प्रभारी श्री राजा महोबिया, आईटी सेल जिला संयोजक श्री जितेंद्र सिंह राजपूत, मंडल भाजपा अध्यक्ष श्री महेंद्र लोढ़ा, युवा मोर्चा जिला महामंत्री श्री अनिकेत यादव एवं उपाध्यक्ष श्री मनीष पुनाचा ,उल्लेख साहू उपस्थित रहे।इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस हम सभी प्रदेशवासियों के लिए गर्व, गौरव और आत्मसम्मान का विशेष अवसर है। हमर छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली विरासत, लोककला, लोकपरंपराओं और विशिष्ट रीति-रिवाजों की देशभर में एक अलग पहचान है। छत्तीसगढ़ महतारी हमारी अस्मिता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक हैं। हमारे प्रदेश की पहचान यहां की सरलता, सहजता, आपसी भाईचारे, मेहनतकश जनता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से है। राज्य स्थापना के बाद से छत्तीसगढ़ ने विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है। आज प्रदेश निरंतर प्रगति और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हम सभी का दायित्व है कि अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए प्रदेश के विकास में सहभागी बनें और आने वाली पीढ़ियों तक छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपराओं को पहुंचाएं। उन्होंने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। वहीं युवा मोर्चा जिला महामंत्री श्री अनिकेत यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण हम सभी प्रदेशवासियों के लंबे संघर्ष, जनभावनाओं और सपनों का परिणाम है। राज्य स्थापना दिवस हमें अपनी माटी, संस्कृति और पहचान के प्रति गौरव का अनुभव कराता है। युवा शक्ति प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपराओं और महापुरुषों के योगदान से प्रेरणा लेकर प्रदेश के विकास एवं निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। हम सभी युवा छत्तीसगढ़ महतारी के सम्मान और प्रदेश के गौरव को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित हैं।कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ महतारी को नमन करते हुए प्रदेश की उन्नति, खुशहाली और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।पार्षद एवं एमआईसी मेंबर ज्ञानेश्वर ताम्रकार, श्रीमती विद्यावती सिंह, रंजीता पाटील, सावित्री दमाहे, एल्डरमैन अनूप सोनी, युवा मोर्चा मंत्री राहुल दीक्षित ,सोमू सारथी,शुभम सिंह ,हर्ष लोढ़ा ,हर्ष चंदेल ,गौरव चंदनीया , मंडल अध्यक्ष अनिल साहू निरंजन दुबे मंडल महामंत्री अभिलाष गुप्ता,बिट्टू साहू वासु शर्मा आर्यन साहू ,महेश यादव अविनाश दुबे उपस्थित रहे7

छत्तीसगढ़ी साहित्य के पुरोधा पारकर को मिलेगा लाला जगदलपुरी राज्य अलंकरण

एम.ए. छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम के प्रवर्तक हैं पारकर, लोक संस्कृति, उपन्यास, रंगमंच और अनुवाद में दिया है अविस्मरणीय योगदान



भिलाई। छत्तीसगढ़ी भाषा, लोक संस्कृति और साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले वरिष्ठ साहित्यकार दुर्गा प्रसाद पारकर को राज्य सरकार द्वारा 'लाला जगदलपुरी राज्य अलंकरण' से सम्मानित किया जाएगा। राजधानी रायपुर में राज्य शासन की ओर से रविवार को इस आशय की घोषणा की गई। 3 नवंबर को राज्योत्सव के समापन अवसर पर उन्हें मुख्य अतिथि गृह मंत्री अमित शाह उन्हें राज्य अलंकरण से सम्मानित करेंगे। आंचलिक साहित्य के क्षेत्र में दिया जाने वाला यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल पारकर की बरसों की तपस्या का प्रतिफल है, बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ी साहित्य जगत के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने छत्तीसगढ़ी को केवल लोक व्यवहार की बोली से उठाकर उच्च शिक्षा, शोध और अकादमिक मंचों पर स्थापित करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है।

एम.ए. छत्तीसगढ़ी के प्रवर्तक और अकादमिक पहचान- पारकर जी का सबसे ऐतिहासिक योगदान पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में 'एम.ए. छत्तीसगढ़ी' पाठ्यक्रम प्रारंभ कराने की पहल रही है। इसी भगीरथ प्रयास के कारण उन्हें एम.ए. छत्तीसगढ़ी का 'प्रवर्तक' माना जाता है। उनकी कालजयी औपन्यासिक कृति 'बहू हाथ के पानी' को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग और शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर के स्नातकोत्तर (एम.ए.) पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है, जो छत्तीसगढ़ी की अकादमिक स्वीकार्यता का सबसे बड़ा प्रमाण है। बहुआयामी साहित्यिक अवदान और रचनाएँ - 11 मई 1961 को दुर्ग जिले के ग्राम बेलौदी (मालूद) में जन्मे दुर्गा प्रसाद पारकर ने साहित्य की विविध विधाओं में अपनी सृजनात्मकता का लोहा मनवाया है। लोक संस्कृति पर लिखी उनकी किताबें 'चिन्हारी' और 'जस-जंवारा' छत्तीसगढ़ की जीवनशैली और लोक आस्था का दर्पण हैं। नाटक के क्षेत्र में उन्होंने 'शिवनाथ', 'सुकवा', 'चंदा', 'सोनचिरई' और 'सुराजी गांव' जैसी कृतियों से लोक रंगमंच को समृद्ध किया। वहीं, उपन्यास विधा में 'केंवट कुंदरा', 'बहू हाथ के पानी' और 'दिलासा देवी केवट' उनकी प्रमुख रचनाएं हैं।

अनुवाद, संपादन और पत्रकारिता से भाषायी विस्तार - मौलिक लेखन के साथ-साथ पारकर जी ने मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास 'निर्मला' और 'प्रतिज्ञा' तथा व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की कृतियों का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद कर दोनों भाषाओं के बीच सेतु का काम किया। इसके अतिरिक्त, 'लोक मंजरी', 'छत्तीसलोक' और 'धरोहर' जैसी पत्रिकाओं के संपादन के जरिए उन्होंने नए रचनाकारों को मंच प्रदान किया और साहित्यिक आंदोलनों को गति दी। मातृभाषा के सम्मान को समर्पित सफर - पूर्व में प्रेम साइमन सम्मान, केयूर भूषण सम्मान और छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग सम्मान से अलंकृत पारकर जी की 'पांच पसर पानी' (उपन्यास), 'दू बीजा चांउर' और बालगीत संग्रह 'संगवारी' जल्द ही प्रकाशनाधीन हैं। लाला जगदलपुरी राज्य अलंकरण मिलने की घोषणा से प्रदेश भर के साहित्यकारों और भाषा-प्रेमियों में खुशी की लहर है।दुर्गा प्रसाद पारकर उन साहित्यकारों में शामिल हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ी भाषा को केवल बोलचाल और लोक व्यवहार की भाषा तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि उसे साहित्य, शोध, उच्च शिक्षा और अकादमिक विमर्श से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया। विशेष रूप से पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में एम.ए. छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम प्रारंभ कराने की दिशा में उनकी पहल और सक्रिय भूमिका उन्हें एक अलग पहचान प्रदान करती है।

बिलासपुर में ड्यूटी जा रही महिला से अश्लील अभद्रता, जान से मारने की दी धमकी

बिलासपुर। बातचीत बंद करने से नाराज युवक ने आंगनबाड़ी सहायिका के साथ मारपीट की। महिला का आरोप है कि युवक ने रास्ते में रोककर अश्लील गाली-गलौज की और पास में पड़े लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया। मारपीट में उसके हाथ की अंगुली, मुंह, गला, गाल और बाईं जांघ में चोट आई है। उसने युवक पर अपने और परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। ग्राम बेलतरा निवासी संतोषी सोनवानी ने पुलिस को बताया कि करीब दो साल पहले उसका परिचय बरभाठा निवासी जय किशन मानिकपुरी से हुआ था। इसके बाद दोनों मोबाइल पर सामान्य बातचीत करते थे। महिला के अनुसार, बहनों के समझाने पर उसने करीब दो महीने पहले जय किशन से बातचीत बंद कर दी थी। शिकायत के मुताबिक, 30 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब दो बजे संतोषी जय किशन के घर के पास से आंगनबाड़ी जा रही थी। इसी दौरान जय किशन उसके पास आया और बातचीत बंद करने का कारण पूछते हुए विवाद करने लगा।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 154वीं तिमाही समीक्षा बैठक संपन्न



भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 154वीं तिमाही समीक्षा बैठक कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) एवं कार्यकारी अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई इस्पात संयंत्र श्री पवन कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संयंत्र के कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारीगण, मुख्य महाप्रबंधकगण सहित महाप्रबंधक प्रभारी (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) श्री अमूल्य प्रियदर्शी, उप महाप्रबंधक (संपर्क व प्रशासन एवं प्रभारी राजभाषा) श्री राघवेन्द्र कुमार गर्ग तथा ऑनलाइन माध्यम से संयंत्र के विभाग प्रमुखगण व विभागीय हिंदी समन्वय अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक के आरंभ में श्री अमूल्य प्रियदर्शी ने पुस्तक भेंट कर कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार का स्वागत किया। श्री राघवेन्द्र कुमार गर्ग ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि संयंत्र के विभिन्न क्षेत्रों में राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित करने हम सभी निरंतर प्रयासरत हैं, हम आशा करते हैं कि संयंत्र के सभी विभागों में हिंदी में कार्यव्यवहार के माध्यम से संयंत्र के समग्र निष्पादन में उत्कृष्टता का क्रम निरंतर बना रहेगा। श्री पवन कुमार ने कहा कि हमारा भिलाई इस्पात संयंत्र हिंदी में समस्त कार्यालयीन कामकाज करने के लिए भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 1991 से अधिसूचित संस्थान है। हिंदी में कार्यालयीन कामकाज की दिशा में हम सभी निरंतर प्रयासरत हैं, आइए हम यह प्रयास करें कि, हम सभी शत-प्रतिशत हिंदी में कार्यालयीन कामकाज करें। उन्होंने सितंबर माह में आयोजित राजभाषा पखवाड़ा2026 के सफल आयोजन का श्रेय सभी विभागाध्यक्षों के सामूहिक प्रयासों को दिया। साथ ही हिंदी में कम पत्राचार प्रतिशत वाले विभागों को हिंदी में कार्यालयीन कामकाज का प्रतिशत बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया।उन्होंने हिंदी में कार्यालयीन कार्यों में कठिनाई होने की स्थिति में राजभाषा विभाग से सहज संपर्क कर कठिनाई दूर करने की बात कही। साथ ही हिंदी को प्रोत्साहन तथा हिंदी के प्रति सकारात्मक वातावरण बनाने के उद्देश्य से कवि सम्मलेन एवं नाट्य प्रस्तुति जैसे आयोजनों की आवश्यकता पर जोर दिया। उप प्रबंधक (संपर्क व प्रशासन - राजभाषा) श्री जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने विगत बैठक की कार्यसूची का अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, तत्पश्चात आगामी तिमाही की कार्यसूची का वाचन कर शत-प्रतिशत हिंदी में पत्राचार करने वाले विभागों का उल्लेख कर आभार प्रदर्शन किया।

जनहित संघर्ष समिति ने सांसद विजय बघेल एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे का आभार व्यक्त किया

हजारों लोगों ने पहुंचकर सांसद विजय बघेल का स्वागत किया

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर भिलाई को बड़ी सौगात

बीएसपी आवास रिटेंशन स्कीम में मिली राहत, ?6 प्रति वर्गफीट दर पर सहमति



भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भिलाई वासियों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। भिलाई इस्पात संयंत्र के आवासों में रह रहे रिटेंशनधारियों और थर्ड पार्टी आवासधारियों के लिए लंबे समय से चली आ रही रिटेंशन की समस्या से अब निजात मिलने जा रही है।सांसद श्री विजय बघेल जी एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेम प्रकाश पाण्डे जी के अथक प्रयासों से एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में बीएसपी आवास रिटेंशन स्कीम में राहत को लेकर ?6 प्रति वर्गफीट की दर पर सहमति बनी है।आज सांसद श्री विजय बघेल जी का भिलाई के नागरिकों ने पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि यह निर्णय हजारों परिवारों को बड़ी राहत देगा। इस उपलब्धि पर भाजपा प्रदेश संवाद प्रमुख, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ, श्री शारदा प्रसाद गुप्ता ने कहा – ङ्क्यह भिलाई की जनता की बड़ी जीत है। सांसद विजय बघेल जी और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डे जी ने दिल्ली से लेकर भिलाई तक इस मुद्दे को मजबूती से उठाया। राज्य स्थापना दिवस पर इससे बड़ा तोहफा नही हो सकता इस अवसर पर प्रमुख रूप से कन्हैया सोनी सुभाष साव भारतीय जनता पार्टी शिक्षा प्रकोष्ठ के संयोजक विनोद उपाध्याय सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश मीडिया प्रभारी निशु पांडे भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य वीरेंद्र साहू रविशंकर सिंह राजेश सिंह डागेश्वर परगनिया रामकुमार धनकर सुभाष शर्मा संतोष जयसवाल बंटी नाहर झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ संयोजक मनोज तिवारी सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में नॉन-फाइनेंशियल मोटिवेशनल स्कीम के तहत कर्मचारी सम्मानित



भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (एस.एम.एस.-3) में वित्तीय वर्ष 2025-26 के मार्च माह के दौरान उत्कृष्ट उत्पादन प्रदर्शन करने वाले कार्मिकों के योगदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नॉन-फाइनेंशियल मोटिवेशनल स्कीम (एन.एफएम.एस.) के अंतर्गत उपहार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न अनुभागों से चयनित पुरुष एवं महिला कार्मिकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस योजना में एसएमएस-3 के सभी नियमित कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं को शामिल किया गया है। योजना के अंतर्गत विभागीय प्रोत्साहन के लिए ज़ीरो फैटल एक्सीडेंट को एक अनिवार्य पात्रता शर्त निर्धारित की गई है। 11 मार्च से 31 मार्च 2026 तक की 21 दिवसीय अवधि में विभागीय टीम ने सामूहिक प्रयासों, समर्पण एवं बेहतर तालमेल के साथ निर्धारित दैनिक उत्पादन लक्ष्यों को निरंतर पार करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में क्रूड स्टील उत्पादन में वृद्धि तथा दैनिक परिचालन संबंधी चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटने के लिए कार्मिकों को प्रोत्साहित करना इस योजना का प्रमुख उद्देश्य है। साथ ही यह योजना कार्यस्थल पर सुरक्षा जागरूकता एवं अनुशासित कार्यसंस्कृति को भी बढ़ावा देती है।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) श्री त्रिभुवन बैठा ने मार्च माह की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के दौरान उच्च उत्पादन स्तर बनाए रखने में कार्मिकों की प्रतिबद्धता, सामूहिक प्रयासों एवं उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन की सराहना की। वर्तमान वित्तीय वर्ष के आगामी महीनों में भी इसी प्रकार के उत्पादन स्तर को बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने उत्पादन लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ सुरक्षा को सर्वोपरि बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सुरक्षित कार्यप्रणाली अपनाना तथा शून्य दुर्घटना का लक्ष्य हासिल करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर महाप्रबंधक (एसएमएस-3) श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल ने कन्वर्टर, एसआरयू, कंटीन्यूअस कास्टिंग अनुभाग एवं सहयोगी टीमों के बीच उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी संबोधित टीमों के सामूहिक प्रयासों से विभाग ने दैनिक हीट उत्पादन के निर्धारित लक्ष्यों को लगातार पार करने में सफलता प्राप्त की। महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी (एसएमएस-3) श्री यू. एस. परगनिहा ने परिचालन गतिविधियों के दौरान सुरक्षित कार्य निष्पादन रिकॉर्ड को एक महत्वपूर्ण पात्रता शर्त बताया। उन्होंने उत्पादन उत्कृष्टता के साथ-साथ सुरक्षित कार्य पद्धतियों का पालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। महाप्रबंधक प्रभारी (एसएमएस-3, मेकेनिकल) श्री अजीत नारायण ने टीमों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि मेकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस कार्मिकों के सतत प्रयासों से उपकरणों की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित हुई तथा महत्वपूर्ण परिचालन अवरोधों को दूर करने में सहायता मिली। कार्यक्रम का समन्वय महाप्रबंधक (एसएमएस-3) श्री दिलीप कुमार वार्ष्णेय ने किया।यह पहल कार्मिकों के योगदान को सम्मानित करने, सामूहिक कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करने तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए उत्पादन उत्कृष्टता की भावना को प्रोत्साहित करती है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com